मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 132
रविवार, 23 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

कांग्रेस नेताओं ने दुर्भावनापूर्ण कारणों से सरदार पटेल के योगदान की अनदेखी कीः जे पी नड्डा

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को देश को एकजुट करने में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान की सराहना की और आरोप लगाया कि कांग्रेस की साजिश के कारण भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री को आजादी के बाद चार दशकों तक इतिहास में वह सम्मान नहीं मिल सका जिसके वह सच्चे हकदार थे।

नड्डा ने कहा कि अगर किसी ने सरदार पटेल को देश के इतिहास में सही और उचित स्थान दिया है, तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। भाजपा अध्यक्ष ने पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में ऐट 150 यूनिटी मार्च को हरी झंडी दिखाने के बाद एक कार्यक्रम में ये टिप्पणियां कीं। पटेल भारत के पहले गृह मंत्री भी रहे।

नड्डा ने कहा, अंग्रेज चाहते थे कि भारत कमजोर और विभाजित रहे। हमें उस मानसिकता से भी मुक्ति मिली। हमारा देश 562 रियासतों में बंटा हुआ था। हम विदेशी शासन के अधीन रहे क्योंकि हम विभाजित थे।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने दो साल के भीतर इन रियासतों को एकजुट कर एक राष्ट्र बनाया। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा, उन्होंने एक विभाजित भूमि को एक मजबूत और एकजुट भारत - एक भारत, श्रेष्ठ भारत में बदल दिया। लेकिन दुर्भाग्य से इतिहास और देश में उन्हें जो सम्मान मिलना चाहिए था, उसकी कांग्रेस के शासनकाल में कांग्रेस नेताओं ने दुर्भावनापूर्ण और स्वार्थी कारणों से अनदेखी की।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आजादी के बाद चार दशकों (1950 से 1991) तक कांग्रेस सत्ता में रही, फिर भी तब के किसी भी प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल को भारत रत्न नहीं दिया। नड्डा ने आरोप लगाया, यह सुनिश्चित करने के लिए षड्यंत्र रचे गए कि इतिहास में उन्हें वह सम्मान न मिले जिसके वह हकदार थे।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने यह सुनिश्चित किया है कि सरदार पटेल को इतिहास में उनका उचित स्थान मिले, तो वह प्रधानमंत्री मोदी हैं। नड्डा ने कहा, वास्तव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि दी। उनके नेतृत्व में केवडिया में सरदार पटेल की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा का निर्माण किया गया।

सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 50 किलोग्राम हेरोइन बरामद

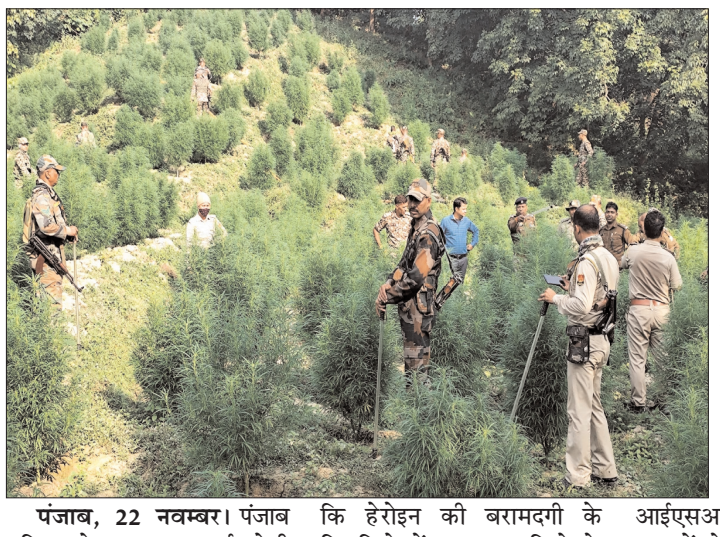

पंजाब, 22 नवम्बर। पंजाब पुलिस के मादक पदार्थ रोधी कार्यबल (एएनटीएफ) ने सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी तस्करी करने वाले गिरोह का शनिवार को भंडाफोड़ किया और 50 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। पुलिस ने बताया कि हेरोइन की बरामदगी के सिलसिले में कपूरथला जिले के रहने वाले संदीप सिंह उर्फ सीपा को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कहा, ह्लमादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में बड़ी जीत मिली।

पंजाब पुलिस के मादक पदार्थ रोधी कार्यबल ने सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया और 50 किलोग्राम हेरोइन बरामद की ह्व यादव के मुताबिक, एएनटीएफ ने खुफिया जानकारी पर आधारित अभियान में हेरोइन बरामद की है।

उन्होंने बताया कि यह खेप पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन वाले तस्करों ने भेजी थी। यादव के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी संदीप के खिलाफ पहले से ही मादक पदार्थ से संबंधित पांच मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि संदीप हाल ही में जमानत पर जेल से बाहर आया है।

थरूर ने की ट्रंप-ममदानी मुलाकात की सराहना, भारत में भी ऐसे सहयोग की जताई उम्मीद

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी के बीच हुई बातचीत की सराहना करते हुए कहा कि यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की भावना को दशार्ता है, जहाँ राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी चुनाव के दौरान कड़ी टक्कर देते हैं, लेकिन जनादेश स्पष्ट होने के बाद सहयोग करते हैं। पर अपने विचार साझा करते हुए, थरूर ने लिखा कि लोकतंत्र को इसी तरह काम करना चाहिए। चुनावों में अपने दृष्टिकोण के लिए पूरी लगन से लड़ें, बिना किसी बयानबाजी की पाबंदी के। लेकिन एक बार जब चुनाव खत्म हो जाए और लोग अपनी बात कह दें, तो उस राष्ट्र के साझा हित में एक-दूसरे के साथ सहयोग करना सीखें जिसकी सेवा करने का आप दोनों ने संकल्प लिया है।

थरूर ने कहा कि वह भारत में ऐसा और अधिक देखना चाहेंगे और इस तरह की राजनीतिक सभ्यता को बढ़ावा देने के लिए अपनी ओर से प्रयास कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पुराने दावे को फिर दोहराया कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने में उनकी केंद्रीय भूमिका रही है। उन्होंने यह बात शुक्रवार को व्हाइट हाउस में न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी से मुलाकात के दौरान कही। चुनाव में जीत के बाद राष्ट्रपति के साथ अपनी पहली औपचारिक बातचीत के लिए ममदानी वाशिंगटन आए थे और यह चर्चा ओवल ऑफिस में हुई, जहाँ ट्रंप ने मुलाकात को ₹शानदार₹ बताया और कहा कि उन्हें उनसे बात करके बहुत अच्छा लगा। दोनों नेताओं के एक साथ खड़े होने पर, ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए गतिरोध का ज़िक्र करते हुए कहा कि मैंने भारत और पाकिस्तान सहित आठ देशों के साथ शांति समझौते किए और अपनी इस बात को दोहराया कि उनके प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी टिप्पणियाँ पूरे सप्ताह उनके द्वारा दिए गए इसी तरह के बयानों के अनुरूप थीं। बुधवार को, उन्होंने दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान दोनों को शत्रुता न रोकने पर 350 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, और इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने दोनों परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच टकराव को समाप्त करने में निर्णायक भूमिका निभाई।

बीएलओ घर-घर दे रहे दस्तक, वाराणसी में एसआईआर पुनरीक्षण अभियान तेज

◆निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलेगा विशेष अभियान, डीएम स्वयं ले रहे प्रगति की रिपोर्ट

सुरेश गांधी

वाराणसी। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के तहत वाराणसी में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक चल रहे इस विशेष अभियान के दौरान बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) घर-घर जाकर मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं। वे प्रत्येक परिवार को गणना प्रपत्र (एसआईआर फॉर्म) वितरित कर रहे हैं और भरकर वापस भी ले रहे हैं, ताकि मतदाता सूची बिल्कुल सटीक और अद्यतन तैयार हो सके।

सहयोगात्मक चुनाव व्यवस्था के तहत समाजवादी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट तैनात किए हैं। ये एजेंट बीएलओ के साथ रहकर घर-घर सर्वे और सत्यापन कार्य में सहयोग दे रहे हैं, ताकि पुनरीक्षण कार्य में कोई त्रुटि न रह जाए। बीएलओ इंदु श्रीवास्तव ने बताया कि उनका करीब 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। लोगों में जागरूकता बढ़ी है और अधिकांश परिवार गणना प्रपत्र भरकर सहज रूप से उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा निर्वाचन कार्यालय की ओर से भी फोन कॉल के जरिए यह पता किया जा रहा है कि घरों में एसआईआर प्रपत्र मिला या नहीं, और उसे भरकर बीएलओ को सौंपा गया या नहीं। यह व्यवस्था पुनरीक्षण को और अधिक पारदर्शी तथा त्रुटिरहित बना रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीएम वाराणसी स्वयं इस अभियान पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं। बीएलओ से लेकर सेक्टर अधिकारियों तक को प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में एसआईआर पुनरीक्षण को चुनावी तैयारी का सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है, इसलिए प्रशासन इसे सर्वोच्च प्राथमिकता पर आगे बढ़ा रहा है।

अधिकारी बताते हैं कि यह अभियान केवल वोट जोड़ने का नहीं, बल्कि डुप्लीकेट, मृतक या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने, नए मतदाताओं के नाम शामिल करने और प्रत्येक बूथ पर वास्तविक मतदाता संख्या तय करने का भी महत्वपूर्ण अवसर है। यही कारण है कि चुनाव आयोग और जिला प्रशासन इस प्रक्रिया पर विशेष जोर दे रहा है। 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक चल रहा यह घर-घर अभियान वाराणसी की चुनावी तैयारी का सबसे अहम हिस्सा बन गया है। बीएलओ की दैनिक दस्तक, राजनीतिक दलों के एजेंटों का सहयोग और प्रशासन की सतर्क निगरानी मिलकर एक विश्वसनीय, त्रुटिरहित और अद्यतन मतदाता सूची तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम साबित हो रहे हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए वाराणसी के 31 लाख 53 हजार मतदाताओं को गणना प्रपत्र (फॉर्म) वितरित किए जा रहे हैं। डीएम ने बताया कि इस विशाल कार्य को पूर्ण करने के लिए जनपद में 3,000 बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) तैनात किए गए हैं, जो घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता से संपर्क साध रहे हैं और गणना प्रपत्र भरवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी प्रपत्रों को बाद में ईआरओ (इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर) कार्यालय के माध्यम से डिजिटलाइज किया जा रहा है।

मणिपुर में ताकतवर समूह अवैध प्रवासियों के मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे : बीरेन सिंह

मणिपुर, 22 नवम्बर। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने दावा किया कि कुछ शक्तिशाली समूह जानबूझकर राज्य में अवैध प्रवासियों की मूल समस्या से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। सिंह ने यह भी कहा कि राष्ट्र-विरोधी और राज्य-विरोधी तत्वों को घुसपैठियों से जुड़े असल मुद्दे से ध्यान भटकाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

उन्होंने शुक्रवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जब मैंने अपने नेतृत्व वाली राजग सरकार के दौरान पड़ोसी देश से आए अवैध प्रवासियों और शरणार्थियों की पहचान शुरू की, तो पड़ोसी राज्यों के नेताओं ने इसकी कड़ी आलोचना की। सिंह ने कहा, आज नगालैंड और मिजोरम सहित हर पड़ोसी राज्य ने आखिरकार स्थिति की गंभीरता को समझा है और सख्त कार्रवाई की है।

उनका यह बयान हाल ही में मीडिया में आई उन खबरों के बाद आया है जिनमें कहा गया था कि मिजोरम सरकार ने राज्य के 11 जिलों में शरण लिए हुए म्यांमा के 31,214 शरणार्थियों का 58.15 प्रतिशत बायोमेट्रिक नामांकन पूरा कर लिया है।

सिंह ने कहा कि मिजोरम अवैध प्रवासियों की पहचान करने में प्रभावशाली गति से आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसकी सबसे पहले जिम्मेदारी लेने वाला राज्य मणिपुर जातीय हिंसा के नाम पर इस ज्वलंत मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है।

उन्होंने दावा किया कि प्राथमिकता में यह बदलाव कोई संयोग नहीं है। उन्होंने कहा, कुछ शक्तिशाली समूह जानबूझकर अवैध प्रवासियों की मूल समस्या से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि राज्य और केंद्र सरकार गौण मुद्दों में उलझकर मणिपुर के सामने मौजूद मुख्य खतरे को भूल जाएं।

सिंह ने राज्य और केंद्र सरकारों से दृढ़ रहने और अवैध प्रवासियों तथा शरणार्थियों का पता लगाने और उन्हें उनके मूल देशों में वापस भेजने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता को यह जानने का हक है कि राज्य में अवैध प्रवासियों का कितना बायोमेट्रिक सत्यापन किया गया है।

एसीए स्टेडियम को टेस्ट स्थल बनते देख गर्व महसूस हो रहा है : हिमंत

असम। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी के भारत के 30वें टेस्ट स्थल बनने पर खुशी व्यक्त करते हुए शनिवार को कहा कि इससे युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैच की श्रृंखला का दूसरा एवं अंतिम टेस्ट मैच यहां खेला जा रहा है। सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, गुवाहाटी ने इतिहास रच दिया है! एसीए स्टेडियम को भारत का 30वां टेस्ट स्थल बनते देख गर्व हो रहा है, जिसने असम की क्रिकेट को अपने चरम पर पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा, यह क्षण अनगिनत युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करेगा और हमारी खेल महत्वाकांक्षाओं को और भी ऊंचा उठाएगा।

शराब की लुभावनी पैकेजिंग के खतरे एवं सुप्रीम कोर्ट की चिंता

-ललित गर्ग

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने शराब की पैकेजिंग को लेकर जो गंभीर टिप्पणी की है, वह केवल कानूनी हस्तक्षेप नहीं बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाली चेतावनी है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि शराब को इस तरह आकर्षक और लुभावना बनाकर प्रस्तुत करना सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ संस्कृति एवं सामाजिक के साथ खिलवाड़ है। चमकीली बोतलें, विदेशी डिजाइन, चटकदार रंग और ग्लैमरस बॉक्स-ये सब रणनीतियां लोगों को, विशेषकर युवाओं को, महिलाओं को शराब की ओर खींचने का साधन बन चुकी हैं। शराब की यह भ्रामक एवं बाजारवादी पैकेजिंग एक गंभीर एवं नया खतरा है। यह प्रवृत्ति केवल बाजार का विस्तार नहीं बल्कि पूरे समाज के स्वास्थ्य, नैतिकता और मानसिक संतुलन पर गहरा हमला है। जन-स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली शराब कम्पनियों की दुराग्रही सोच एवं गुमराह करने वाली पैकिंग एक आपराधिक कृत्य है। जूस पैक जैसे दिखने वाले टेट्रा पैक में बेची जा रही शराब अनेक खतरों को आमंत्रण है।

आज जब देश शराब की वजह से होने वाली बीमारियों, दुर्घटनाओं, हिंसा, पारिवारिक विघटन और मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब शराब को ह्लफैशनेबलह्व बनाकर बेचना एक बहुत बड़ा खतरा बन जाता है। शराब कंपनियों ने पैकेजिंग को आधुनिकता, प्रतिष्ठा और स्टाइल से जोड़ दिया है, जिससे युवा वर्ग इसे किसी उपलब्धि जैसा मानने लगा है। सामाजिक और मनोवैज्ञानिक रूप से यह पैकेजिंग व्यक्ति के मन

में यह भ्रम पैदा करती है कि शराब पीना आधुनिकता का प्रतीक है, जबकि वास्तविकता यह है कि शराब हर रूप में शरीर और मन के लिए घातक जहर है। शराब के घातक एवं दुष्प्रभाव किसी से छिपे नहीं हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को भीतर से खोखला करते हुए नशे की अंधी गलियों में धकेल देती है। लिवर सिरोसिस, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, मानसिक असंतुलन, अवसाद और नींद की गंभीर समस्याएं शराब सेवन की सीधी देन हैं। सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले हजारों लोग शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण अपनी जान गंवाते हैं। घरेलू हिंसा, अपराध और परिवारों के टूटने में शराब की भूमिका लंबे समय से प्रमाणित है। ऐसे में शराब को आकर्षक पैकेजिंग में परोसना मानो लोगों को स्वेच्छा से विनाश के रास्ते पर भेजने जैसा है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसीलिए चिंता जताई है कि शराब की बोतलों की पैकिंग ऐसी नहीं होनी चाहिए जो उपभोक्ता को उसकी वास्तविक हानियों से दूर ले जाए। चेतावनियां अक्सर बोतल के किनारे इस तरह लगाई जाती हैं कि वे दिखती ही नहीं। कंपनियां स्वास्थ्य चेतावनियों को ढककर अपने उत्पाद की सुंदरता को आगे करती हैं। यह न केवल अनैतिक है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी नीतियों की मूल भावना के भी विरुद्ध है। जब सरकार तंबाकू पर बड़ी और भयावह चेतावनियों को अनिवार्य कर चुकी है, तो शराब जिसका स्वास्थ्य पर प्रभाव कई मामलों में उतना ही विनाशकारी है, उसकी पैकेजिंग पर भी समान कठोर नियम लागू होना चाहिए। समाज में शराब की बढ़ती स्वीकृति का बड़ा कारण यह भी है कि शराब उद्योग ने पैकेजिंग को ही आकर्षक विज्ञापन का माध्यम बना दिया है। जहां शराब विज्ञापन पर कानूनी रोक है, वहां कंपनियां रंगीन बोतलों और खूबसूरत बॉक्सों को ही प्रचार का तरीका बना लेती हैं। यह परोक्ष विज्ञापन है, जो कानून की भावना का उल्लंघन करता है और युवाओं को नशे की ओर ले जाता है। ऐसे में सादे, सरल और सामान्य पैकेजिंग की दिशा में कदम बढ़ाना आवश्यक है, ताकि शराब किसी ह्ललक्जरी उत्पादह्व की तरह न दिखे, बल्कि उसका स्वरूप ही लोगों को चेतावनी देने वाला बने।

यह भी चिंताजनक है कि शराब उद्योग का उद्देश्य केवल बिक्री बढ़ाना है, भले ही उससे समाज कितना भी प्रभावित क्यों न हो। वे यह नहीं देखते कि शराब कितने घर बर्बाद कर रही है, कितने लोग बीमार हो रहे हैं और कितनी जिंदगियां संकट में हैं। इस मानसिकता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई बेहद आवश्यक है। शराब की ग्लैमरस पैकेजिंग पर रोक लगाने से न केवल उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि समाज में नशामुक्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण वातावरण भी बनेगा। सरकारों के लिये राजस्व का बड़ा जरिया शराब है, इसलिये सरकारें भी शराब के खिलाफ खुलकर सामने नहीं आती। सुप्रीम कोर्ट की इस चेतावनी को केवल उद्योगों के लिए ही नहीं, बल्कि सरकार, समाज और परिवारों के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। शराब किसी भी रूप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और उसे आकर्षक बनाकर बेचना मानव जीवन के मूल्य को कम करना है। आज आवश्यकता है कि शराब की पैकेजिंग को नियंत्रित किया जाए, उसे सामान्य और गैर-आकर्षक बनाया जाए, स्पष्ट चेतावनियां लिखी जाएं और शराब को समाज में सम्मानजनक स्थान देने वाली प्रवृत्तियों पर रोक लगे। सरकार को भी स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ऐसे कानून बनाने चाहिए जो शराब उद्योग की विपणन चालों को सीमित करें। आज शराब का प्रसार केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक विघटन का बड़ा कारण बनता जा रहा है।

शराब से जुड़े अपराधों और हिंसा की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है, विशेषकर महिलाओं के प्रति अत्याचार, घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और मानसिक प्रताड़ना का बड़ा कारक शराब ही बन रहा है। अनेक अध्ययन बताते हैं कि महिलाओं के खिलाफ होने वाली लगभग आधी हिंसक घटनाओं में शराब प्रमुख भूमिका निभाती है। नशे में धुत पुरुष अक्सर पारिवारिक तनाव, गुस्से और असंतुलन के कारण महिलाओं पर अत्याचार कर बैठते हैं, जिससे न केवल उनका आत्मसम्मान टूटता है बल्कि पूरा परिवार भय, असुरक्षा और अपमान के वातावरण में जीने को मजबूर हो जाता है। शराब का यह प्रभाव किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण से शहरी, गरीब से सम्पन्न वर्ग तक फैल चुका है और इसे अनदेखा करना अब समाज के लिए संभव नहीं।

चिंता का विषय यह भी है कि शराब अब केवल बार या नाइट क्लबों तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक अवसरों-शादियों, जन्मदिनों, दफ्तर की पार्टियों, त्योहारों, यहां तक कि छोटे सामाजिक समारोहों में भी परोसी जाने लगी है। शराब को ह्लसामाजिकता का हिस्साह्व और ह्लआधुनिकता का प्रतीकह्व बताकर जिस तरह से उसकी पैठ बढ़ाई जा रही है, वह एक खतरनाक सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। परिवारों में युवा पीढ़ी अपने बड़ों को शराब का उपभोग करते हुए देखकर इसे सामान्य मानने लगी है, जिससे किशोर अवस्था में ही शराब सेवन की शुरुआत हो जाती है। स्कूल-कॉलेज के छात्र फैशन, दबाव, दोस्तों की नकल और विज्ञापन जैसी पैकेजिंग के प्रभाव में आकर शराब की लत में डूब रहे हैं। यह पीढ़ी मानसिक एवं शारीरिक दोनों स्तर पर कमजोर होती जा रही है। शराब न केवल उनकी पढ़ाई, कैरियर एवं सोचने-समझने की क्षमता को नष्ट करती है, बल्कि भविष्य के परिवार एवं समाज की नींव तक को हिला देती है। इन बढ़ती चिन्ताओं का समाधान केवल कानून से नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक पुनर्रचना और परिवारों में जिम्मेदार व्यवहार से ही संभव है।

समाज तभी सुरक्षित हो सकता है जब हम शराब को आकर्षण का नहीं, विनाश का प्रतीक मानें। उसकी पैकेजिंग में चमक-दमक नहीं, चेतावनी झलके। उसका सेवन आधुनिकता नहीं, दुर्बलता समझा जाए। यह चेतना तभी बढ़ेगी जब कानून भी कठोर होंगे और समाज भी सजग। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी इसी दिशा में एक गंभीर कदम है, अब सरकार और समाज की जिम्मेदारी है कि इसे वास्तविक सुधार में बदला जाए।

मीडिया आवाजें बढ़ी, लेकिन पत्रकारिता की भाषा खो गई

-सुरेश गांधी

> आज भारत में ह्लमीडियाह्व एक भीड़भरी बॉम्बे लोकल की तरह हो गया है, जिसमें जो भी आता है, बिना पहचान, बिना जिम्मेदारी और बिना पत्रकारिता का अनुशासन समझे चढ़ जाता है। कैमरा उठा लेना अब योग्यता नहीं, बल्कि धंधा बन गया है। विचारधारा और टीआरपी के शोर में सच्ची पत्रकारिता, जो सत्ता से सवाल पूछती है, समाज को दिशा देती है और सत्य के प्रति प्रतिबद्ध रहती है, धीरे-धीरे हाशिये पर धकेली जा रही है। न्यूज चैनलों पर बहसें अब बहस नहीं, पूर्वनियोजित लड़ाइयां बन गई हैं। खबरें रिपोर्ट नहीं होतीं, गढ़ी जाती हैं। न्यूज रूम में सत्य की जगह स्पॉन्सर्ड नैरेटिव हावी है। समय आ गया है कि हम मीडिया और पत्रकारिता के मूल अंतर को स्पष्ट समझें, क्योंकि मीडिया एक व्यवसाय हो सकता है, पर पत्रकारिता एक मूल्य है; मीडिया बदल सकता है, लेकिन पत्रकारिता का धर्म नहीं। लोकतंत्र की सांसें इसी पर निर्भर हैं कि इस भीड़ में पत्रकारिता को उसकी पहचान और गरिमा वापस मिले। मतलब साफ है ह्लमीडिया और

भारत में ह्लमीडियाह्व शब्द आज एक ऐसी भीड़भरी बॉम्बे लोकल ट्रेन जैसा प्रतीत होने लगा है, जिसमें जो भी आता है, बिना टिकट-बिना मंजिल चढ़ जाता है। किसी के पास कैमरा हो या बस एक माइक्रोफोन-बोर्ड, वह खुद को पत्रकार मान बैठता है। सोशल मीडिया की क्रांति ने इसे और आसान कर दिया है, हर हाथ में मोबाइल और हर चैनल पर चीखते एंकर। ऐसे में मूल प्रश्न उभरता है, क्या मीडिया और पत्रकारिता एक ही चीज हैं? निश्चित रूप से नहीं। बल्कि सच्चाई यह है कि मीडिया और पत्रकारिता में उतना ही अंतर है जितना शोर और संवाद में, जितना प्रचार और सूचना में, और जितना पक्षधरता और निष्पक्षता में। मीडिया बनाम पत्रकारिता, दो शब्द, दो अर्थ, दो रास्ते. मीडिया एक माध्यम है, तकनीक, मंच, संचार का साधन ।लेकिन पत्रकारिता एक धर्म है, नैतिकता, सत्य-खोज और समाज के प्रति उत्तरदायित्व। बीते वर्षों में यह दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है कि मीडिया का व्यवसाय पत्रकारिता की मूल आत्मा को पचा गया, और बाजारवाद, टीआरपी, राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा विचारधारा-चालित निवेशकों के हित मीडिया पर हावी हो गए। आज न्यूज चैनल खोलना आसान है, पैसा हो, टीम बना लें, किसी विचारधारा का झंडा पकड़ लें, और सत्य को अपनी सुविधा के अनुसार मोड़ने की कला आ जाए, तो मीडिया का नया साम्राज्य खड़ा हो जाता है। पर क्या यह पत्रकारिता है? क्या यह वही पेशा है, जो कभी गांधी, गणेश शंकर विद्यार्थी, बाल गंगाधर तिलक, या रघुवीर सहाय की कलम की गरिमा से पहचाना जाता था? उत्तर स्पष्ट है, नहीं। पत्रकारिता वह है जो सत्ता से सवाल पूछे, न कि सत्ता की ढाल बने. लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका हमेशा से चौथी सत्ता की रही है, एक प्रहरी, जो समाज की आवाज को सत्ता तक पहुंचाता है, और सत्ता के निर्णयों की समीक्षा जनता तक। लेकिन जब पत्रकारिता की जगह मीडिया ले लेता है, और मीडिया किसी राजनीतिक दल, कॉर्पोरेट घराने, विदेशी फंडिंग या विचारधारा का मुखपत्र बन जाता है, तब सवाल उठते ही नहीं, बल्कि सवाल पूछने वालों को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है। टीआरपी आधारित बहसों ने पत्रकारिता का चरित्र बदल दिया। अब मुद्दों की जगह मसाला बिकता है। तथ्यों की जगह धारणा। और संवाद की जगह शोर-शराबा। चैनलों के स्टूडियो युद्धभूमि बने नजर आते हैं, जहां एंकर ह्यन्यायाधीश के रूप में बैठे हैं, और पैनलिस्ट विचारधारा के सिपाही। यह पत्रकारिता नहीं, बल्कि प्रायोजित प्रोपेगेंडा का नया मॉडल है।

जब हर व्यक्ति पत्रकार बन जाए तो पेशा नहीं, पेशे की गरिमा खतरे में पड़ती है. आज ऐसी स्थिति है कि कोई यूट्यूबर पत्रकार बन बैठा है, कोई ब्लॉग चलाने वाला खुद को संपादक, और कोई भी माइक्रोफोन पकड़ कर सड़क पर खड़ा हो जाए तो वह मीडिया वाला कहलाने लगता है। मीडिया की यह भीड़ पत्रकारिता की गरिमा को खा रही है। समस्या यह नहीं कि नए प्लेटफॉर्म आए हैं, यह स्वागत योग्य है, समस्या यह है कि पत्रकारिता की मूल ट्रेनिंग, नैतिक जिम्मेदारी और सत्य के प्रति प्रतिबद्धता खत्म होती जा रही है। जो काम वर्षों की मेहनत, अध्ययन, अनुभव और नैतिक अनुशासन से बनता है, वह अब बिना किसी समझ के, बिना किसी जिम्मेदारी के किया जा रहा है। इसीलिए समाज में भ्रम बढ़ रहा है, कौन पत्रकार है और कौन सिर्फ मीडिया का व्यापारी? आज अनेक चैनल खुलेतौर पर एक विचारधारा का प्रचार करते दिखाई देते हैं। कुछ चैनल किसी एक पार्टी की तारीफ में समर्पित हैं, तो कुछ दूसरी पक्ष की आलोचना को अपना मिशन मानते हैं। खबर की जगह नैरेटिव बिकता है। रिपोर्टिंग की जगह राय परोसी जाती है। और जनता सोचती रह जाती है कि सच्चाई किसको माने? पत्रकारिता विचारधारा नहीं, विवेक की मांग करती है। लेकिन मीडिया में विचारधाराओं की दुकान इतनी बड़ी हो चुकी है कि पत्रकारिता एक कोने में सिमटती जा रही है। इसे रोकना होगा। पत्रकार का काम सिर्फ खबर देना नहीं, समाज के विवेक को दिशा देना भी है. पत्रकार सिर्फ सूचनाएं देने वाला नहीं होता, वह समाज का दर्पण होता है। उसकी कलम लोकतंत्र के स्वास्थ्य का पैमाना होती है। लेकिन जब वह दर्पण धुंधला हो जाए, जब उस पर विचारधारा की धूल जम जाए, जब उस पर बाजारवाद का तेल लग जाए, तब समाज का चेहरा भी विकृत दिखने लगता है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य है, तथ्य की खोज, सत्ता की समीक्षा, समाज का मार्गदर्शन, पीड़ितों की आवाज बनना और सत्य के प्रति निष्ठा. मीडिया का उद्देश्य है, प्रसारण, प्रस्तुति, वितरण, दृश्यता, और व्यापारिक विस्तार, ये दोनों अलग हैं, और अलग ही रहने चाहिए। मीडिया पत्रकारिता का साधन है, उसका पर्याय नहीं। जब पत्रकारिता निष्पक्ष होती है, तो समाज संतुलित होता है, आज समाज में ध्रुवीकरण बढ़ा है। लोग सोशल मीडिया पोस्ट, टीवी डिबेट, कटे-सटे वीडियो से अपनी राय बना लेते हैं। फेक न्यूज का साम्राज्य अलग से फूला-फला है। इस माहौल में पत्रकारिता की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। लेकिन विडंबना यह है कि जब समाज को निष्पक्ष पत्रकारिता सबसे ज्यादा चाहिए, तभी पत्रकारिता सबसे कमजोर स्थिति में है। इसके पीछे कई कारण हैं, कॉर्पोरेट नियंत्रणः कई बड़े मीडिया हाउस भारी पूंजी निवेश पर चलते हैं। पूंजीदाता अक्सर अपने हितों को प्राथमिकता देते हैं। राजनीतिक दबावः विचारधारा आधारित चैनल या तो सत्ता के करीबी हैं या सत्ता के विरोधी। बीच का संतुलित मंच गायब। टीआरपी की होड़ः शोर बिकता है, शोध नहीं। बहस बिकती है, रिपोर्टिंग नहीं। सोशल मीडिया की गतिः स्पीड बढ़ी, सटीकता घट गई। हर ब्रेकिंग न्यूज ह्लखबर की ब्रेकिंग न्यूजह्व बन गई है। भारतीय लोकतंत्र हमेशा पत्रकारिता के दम पर मजबूत हुआ है। चाहे स्वतंत्रता संग्राम का दौर हो, चाहे आपातकाल, चाहे सामाजिक संघर्ष। पत्रकारों ने हमेशा जोखिम उठाकर सच्चाई को सामने रखा। लेकिन आज उस परंपरा को बाजारवाद और विचारधारा आधारित मीडिया ने धकेल दिया है। इसलिए हमें यह स्पष्ट करना होगा, पत्रकारिता प्रचार का मंच नहीं। पत्रकारिता किसी दल की बैसाखी नहीं। पत्रकारिता किसी विचारधारा की दासी नहीं। पत्रकारिता सिर्फ सत्य की आवाज है, और रहेगी। यदि पत्रकारिता को बचाना है, तो कुछ कदम समाज और संस्थानों को मिलकर उठाने होंगे, पत्रकारिता की स्वतंत्र संस्थाओं को मजबूती, संपादकीय स्वतंत्रता केवल शब्द न रहे, बल्कि व्यवहार में लागू हो। न्यूज रूम में नैतिक प्रशिक्षण, नए पत्रकारों को बताया जाए कि न्यूज और व्यूज में क्या अंतर है। फील्ड रिपोर्टिंग को प्रोत्साहनः स्टूडियो आधारित बहसें कम हों, जमीनी सच्चाई अधिक दिखाई जाए। फेक न्यूज के खिलाफ कठोर नीतिः गलत सूचना फैलाने वालों को कानूनी और पेशेवर कार्रवाई का सामना करना पड़े। मीडिया साक्षरता का विस्तारः जनता को भी यह सिखाया जाए कि मीडिया और पत्रकारिता में अंतर है।

पत्रकारिता का आधार जनता का विश्वास है। यदि वही ढह जाए, तो किसी भी लोकतंत्र की नींव कमजोर हो जाती है। आज आवश्यकता है कि पत्रकार अपनी भूमिका को समझे, वह केवल खबरों का व्यापारी नहीं, बल्कि लोकशक्ति और लोकमत का वाहक है। सातत्य, साहस और सत्य, यही पत्रकारिता के तीन स्तंभ हैं। इनकी रक्षा करना केवल पत्रकार की नहीं, समाज की भी जिम्मेदारी है। मीडिया बढ़ेगा, तकनीक के साथ और भी तेज। लेकिन पत्रकारिता तभी बचेगी जब हम दोनों के बीच अंतर को समझेंगे। मीडिया एक उद्योग है, पर पत्रकारिता एक मूल्य। मीडिया बदल सकता है,

भारत की युवा पीढ़ी,सद्भाव, प्रगति और राष्ट्र निर्माण की ध्वजवाहक

(डॉ. राघवेंद्र शर्मा -विभूति फीचर्स)

हाल के दिनों में, पड़ोसी देशों बांग्लादेश और नेपाल में जेन-जी युवाओं का सड़कों पर उतरना, विरोध प्रदर्शनों और कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की खबरें चिंता का विषय रहीं। यह देखना दुखद है कि कैसे अशांति, अव्यवस्था का माहौल किसी भी राष्ट्र की सभ्यता, विकास और प्रगति को दशकों पीछे धकेल सकता है। जब युवा शक्ति रचनात्मकता और राष्ट्र निर्माण में लगनी चाहिए, तब लक्ष्य स्पष्ट होने के बावजूद भी उसका विध्वंसक कार्यों में उलझ जाना राष्ट्र के लिए सबसे बड़ी क्षति है। निसंदेह वहां कुछ कारण जनता को व्यथित करने वाले अस्तित्व में हैं। फिर भी ?इन घटनाओं के पीछे विदेशी ताकतों के इशारे पर षड्यंत्र की आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता। यदि अपने देश को केंद्र में रखकर यह सोचा जाए तो यह एक कटु सत्य है कि जो शत्रु राष्ट्र भारत की तीव्र तरक्की और वैश्विक उत्थान से ईर्ष्या रखते हैं, वे सीधे टकराव मोल लेने के बजाय यहां आंतरिक अस्थिरता पैदा करने की नीति अपनाते दिखाई देते रहते हैं। चूंकि शत्रु देश भारत से सीधे नहीं टकरा सकते तब वे भारत के भीतर छुपे हुए अपने 'राजनीतिक दलालों' और अवसरवादी तत्वों का दुरूपयोग करते हैं। इनका एकमात्र एजेंडा भारत को उसके विकास के एजेंडे से हटाना, आर्थिक गति को बाधित करना और देश में अशांति फैलाना है। शत्रु देशों द्वारा इन्हीं षडयंत्रों के चलते ??भारत में भी समय समय पर अशांति फैलाने के प्रयास किए गए हैं। देश को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, बम धमाके, और चुनावों में अविश्वास पैदा करने जैसी हरकतें विदेशी ताकतों के इशारों पर ही की जाती हैं। इसके अलावा, सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने के लिए जात-पाँत, धर्म, क्षेत्र और भाषा के नाम पर संकीर्ण अवसरवादी नेता युवाओं को भड़काने की कोशिश करते रहते हैं। उनका एकमात्र स्वार्थ राजनीतिक लाभ की प्राप्ति और स्वयं के पक्ष में सामाजिक ध्रुवीकरण होता है। परंतु, एक बात जो भारत को उसके पड़ोसियों से अलग और विशेष बनाती है, वह है भारतीय युवाओं की अंतर्निहित समझदारी और परिपक्वता।

भारत का युवा सिर्फ विरोध करना नहीं जानता, बल्कि कारण और परिणाम को समझना जानता है। वह सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही भ्रामक अफवाहों और झूठे नैरेटिव को बिना परखे स्वीकार नहीं करता। आज का भारतीय युवा सूचना और प्रौद्योगिकी से लैस है। वह किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसके स्रोत की जाँच करता है। वह तर्क और ज्ञान के आधार पर निर्णय लेता है, न केवल भावनात्मक आवेग में आकर। यही कारण है कि भारतीय युवा अपनी राष्ट्रीय पहचान और सांस्कृतिक विविधता के महत्व को समझता है। वह जानता है कि सद्भाव ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

भारत का युवा भविष्य-उन्मुख है। वह जानता है कि उसका समय और ऊर्जा व्यर्थ के विवादों में नहीं, बल्कि कौशल विकास, नवाचार और राष्ट्र के आर्थिक विकास में लगनी चाहिए। ?भारत का भविष्य किसी राजनीतिक दल या बाहरी शक्ति पर निर्भर नहीं करता। यह पूरी तरह से युवाओं के सद्भाव और पुरुषार्थ पर निर्भर है। युवा शक्ति ही राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति है। ??भारत एक ऐसा गुलदस्ता है जहाँ विभिन्न धर्म, भाषाएँ और संस्कृतियाँ एक साथ फलती-फूलती हैं। युवा पीढ़ी को इस विविधता को कमजोरी नहीं, बल्कि अद्वितीय शक्ति के रूप में देखना होगा। जब युवा आपस में जात-पांत और एसआईआर, सामाजिक पहचान या क्षेत्रवाद के नाम पर नहीं, बल्कि भारतीयता के नाम पर एकजुट होते हैं, तो कोई भी बाहरी शक्ति या आंतरिक अवसरवादी नेता इस देश को तोड़ नहीं सकता। इस भरोसे को बनाए रखने के लिए जरूरी हो जाता है कि हमारे देश के युवा भड़काने वाले हर बयान और वायरल पोस्ट पर तुरंत यकीन न करें। पहले सोचो, परखो, फिर बोलो की तर्ज पर विभिन्न समुदायों और विचारों के लोगों के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित करें। गलतफहमियाँ हमेशा संवाद की कमी से पैदा होती हैं। इसलिए हर परिस्थिति में सकारात्मक सद्भाव और संवाद बनाए रखें। हमें यह तय करके रखना होगा कि ?किसी भी समस्या का समाधान सड़कों पर दंगा करने या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने में नहीं है। देश के संविधान और कानून में विश्वास रखें और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का सम्मान करें।

आज का युग ज्ञान और प्रौद्योगिकी का है। हर युवा को अपने कौशल को निखारने, नई तकनीकें सीखने और वैश्विक बाजार के लिए खुद को तैयार करने पर ध्यान देना चाहिए। भारत को विश्व गुरु बनाने का मार्ग नवाचार और उद्यमिता से होकर गुजरता है। युवा पीढ़ी को जॉब सीकर नहीं, बल्कि जॉब क्रिएटर बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। अपने समाज और राष्ट्र के प्रति सेवा और समर्पण की भावना रखें। उदाहरण के लिए - छोटे स्तर पर सामुदायिक कार्य, स्वच्छता अभियान और शिक्षा प्रसार में योगदान देना भी राष्ट्र निर्माण ही है। हमें यह बात भली भाँति समझनी होगी कि हमारे शत्रु देश हमारी प्रगति से जलते हैं और वे हमारी सबसे बड़ी ताकत, यानी हमारे युवाओं, को भटकाने का निरंतर प्रयास करते रहेंगे। ?लेकिन, भारत का युवा जागरूक है। वह अपनी विरासत के मूल्यों, अपने भविष्य की संभावनाओं और अपने राष्ट्र की शक्ति को पहचानता है। भारत के युवाओं की सामूहिक चेतना और उनका सद्भाव ही देश की अखंडता की अंतिम गारंटी है।

हमारा संकल्प है कि हम भ्रामक अफवाहों और अवसरवादी नेताओं की चालों से सावधान रहेंगे। हम देश के विकास के एजेंडे पर अडिग रहेंगे। हम अपनी ऊर्जा को रचनात्मकता में लगाएंगे। क्योंकि ?भारतीय युवा ही वह प्रकाश स्तंभ है, जो चुनौतियों के तूफान में भी भारत को सही दिशा दिखाता रहेगा। आइए, हम सब मिलकर सद्भाव, एकजुटता और पुरुषार्थ के साथ एक ऐसे विकसित भारत का निर्माण करें, जिस पर पूरी दुनिया गर्व कर सके। यह सिर्फ हमारा सपना नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी है।

आतंक पर निर्णायक सख़्ती जरूरी

-प्रियंका सौरभ

भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ आतंकवाद का स्वरूप बदलकर और भी जटिल और खतरनाक हो चुका है। राजधानी दिल्ली से लेकर देश के विभिन्न शहरों में हाल की घटनाएँ केवल हिंसक वारदातें नहीं, बल्कि यह चेतावनी हैं कि हमारी सुरक्षा संरचनाओं में अभी भी जितनी मजबूती और तत्परता होनी चाहिए, वह नहीं है। हर विस्फोट केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि यह प्रश्न भी है कि एक उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में भारत क्या अपनी आंतरिक सुरक्षा को उसी गंभीरता से देख रहा है, जैसी दुनिया के विकसित राष्ट्र देखते हैं? अमेरिका ने 9/11 की भयावहता के बाद आतंकवाद को एक ऐसे खतरे के रूप में लिया, जिसने उसके पूरे सुरक्षा तंत्र, कानून व्यवस्था और राजनीतिक दृष्टिकोण को बदलकर रख दिया। भारत को भी अब उसी स्तर की संवेदनशीलता और निर्णायकता की आवश्यकता है।

यह स्वीकार करना होगा कि आतंकवाद अब पुरानी सीमाओं से निकलकर नई तकनीकी दुनिया में प्रवेश कर चुका है। पहले जहाँ उसका संबंध बंदूक, प्रशिक्षण शिविर और सीमा पार से आने वाले गुरिल्ला नेटवर्क से होता था, वहीं अब उसका संचालन सोशल मीडिया, डार्क वेब, एन्क्रिप्टेड चैट, क्रिप्टो करेंसी और फर्जी पहचान के माध्यम से हो रहा है। आज एक अकेला व्यक्ति, जिसे लोन-वुल्फ कहा जाता है, दुनिया में बैठे किसी भी संगठन से निर्देश पा सकता है और मिनटों में घटना को अंजाम दे सकता है। क्राउड-रैडिकलाइजेशन की प्रक्रिया इतनी तेज और गहरी हो चुकी है कि एक वीडियो, एक पोस्ट, या एक उग्र भाषण ही कई युवाओं को गलत दिशा में धकेल सकता है। ऐसी स्थिति में यह सोचना कि आतंकवाद को केवल सीमापार से आने वाला खतरा माना जाए, वास्तविकता से आँख मूँद लेने जैसा है।

दिल्ली के नेहरू प्लेस जैसी घटनाओं ने फिर यह सामने ला दिया कि आतंक की तकनीक चाहे बदल जाए, पर हमारी कमियाँ वही पुरानी हैं। निगरानी कैमरों की संख्या सीमित है, उनकी गुणवत्ता अपर्याप्त है, और उनमे से भी कई खराब रहते हैं। कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अक-आधारित निगरानी की व्यवस्था अब तक लागू नहीं है। यह भी एक कटु सत्य है कि जाँच एजेंसियों की क्षमता के मुकाबले घटनाओं की जटिलता कई गुना बढ़ गई है। आधुनिक दुनिया में जहाँ एक छोटे से डिवाइस में असंख्य डिजिटल प्रमाण छिपे हो सकते हैं, वहाँ हमारी फॉरेंसिक लैब्स की संख्या और आधुनिकता अभी भी सीमित है। सवाल यह भी है कि हम कब तक इन पुरानी कमजोरियों के साथ एक बदलती हुई दुनिया का सामना करेंगे? एक आधुनिक राजधानी में 24.7 इंटेलिजेंट सर्विलांस सिस्टम होना चाहिए, जहाँ हर भीड़भाड़ वाला इलाका, हर बाजार, हर सार्वजनिक स्टेशन और हर संवेदनशील संस्थान अक से जुड़े कैमरों की निगरानी में हो। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और इजरायल ने वर्षों पहले यह सुनिश्चित कर लिया कि आतंकियों के लिए कोई अंधेरा कोना न बचे। भारत को भी अब निगरानी को प्राथमिकता देनी चाहिए। कानून व्यवस्था की मजबूती केवल पुलिस की संख्या बढ़ाने से नहीं आएगी, बल्कि यह तकनीक, डेटा और तेजी से काम करने वाले नेटवर्क से आएगी। यह भी एक गंभीर पहलू है कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में हमारी न्यायिक प्रक्रिया उतनी तेज नहीं है जितनी होनी चाहिए। वर्षों तक चलने वाली सुनवाई, गवाहों का मुकर जाना, कमजोर अभियोजन और डिजिटल साक्ष्यों की जटिलता–ये सब आतंकियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुँचाते हैं। जबकि अमेरिका ने 9/11 के बाद स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में न देरी स्वीकार्य है, न ढिलाई। भारत को भी यह संदेश देना चाहिए कि आतंकवाद के मामलों में न्याय शीघ्र और दृढ़ होना चाहिए। यह केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्यता है।

आतंकवाद को रोकने में नागरिक चेतना की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी एजेंसियों की। एक साधारण नागरिक की एक छोटी-सी सूचना कई बड़े हमलों को रोक सकती है। लेकिन अक्सर लोग पुलिस से संपर्क करने में संकोच करते हैं, उन्हें प्रक्रिया लंबी और जटिल लगती है, या वे यह सोचते हैं कि यह मेरा काम नहीं। यह मानसिकता बदलनी होगी। सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जहाँ नागरिक आसानी से सूचना दे सकें, और तत्काल प्रतिक्रिया तंत्र मौजूद हो। मोहल्ला-स्तर तक चौकसी को मजबूत किया जाना चाहिए। नागरिक जब जागरूक होते हैं, तब आतंक के लिए जगह अपने आप कम होती जाती है। दुर्भाग्य यह है कि भारत में सुरक्षा नीति अक्सर राजनीतिक बहसों में उलझ जाती है। किसी घटना को विपक्ष सत्ताधारी दल की विफलता बताता है, और सत्ता दल उसे सिर्फ आतंकी षड्यंत्र कहकर जिम्मेदारियों से बचने की कोशिश करता है। लेकिन आतंकवाद का कोई राजनीतिक रंग नहीं होता। वह न किसी विचारधारा का मित्र है, न शत्रु; वह सिर्फ राष्ट्र और उसके नागरिकों को नुकसान पहुँचाता है। इसलिए यह अनिवार्य है कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीति से ऊपर रखा जाए। अमेरिका में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर दोनों दल एकजुट रहते हैं; भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। तकनीक इस युग की नई सुरक्षा दीवार है। भारत को अगले कुछ वर्षों में एक व्यापक तकनीक-आधारित सुरक्षा मॉडल बनाना होगा। अक आधारित CCTV नेटवर्क, चेहरे की पहचान प्रणाली, रीयल-टाइम डेटा इंटरलिंकिंग, आधुनिक डिजिटल फॉरेंसिक लैब, साइबर विशेषज्ञों की नियुक्ति, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की निगरानी और डार्क वेब पर नजर रखने वाली विशेष टास्क फोर्स–ये सभी कदम अत्यंत आवश्यक हैं। यह समझना होगा कि आतंकवाद को केवल बंदूक और बम से ही नहीं, बल्कि डेटा और तकनीक से भी हराया जा सकता है।

आतंकवाद केवल मानव जनहानि का कारण नहीं बनता, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को भी गहरे घाव देता है। हर विस्फोट निवेश को डराता है, पर्यटन को कमजोर करता है और व्यापार पर सीधा असर डालता है। एक असुरक्षित राजधानी विश्व अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका को नुकसान पहुँचा सकती है। इस कारण सुरक्षा केवल नागरिक जीवन का ही नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य का भी प्रश्न है।

भारत अब एक निर्णयकारी मोड़ पर है। समय आ गया है कि हम आतंकवाद के खिलाफ एक स्पष्ट, कठोर और आधुनिक नीति बनाएं–

> **भारत को आतंकवाद से निर्णायक रूप से निपटने के लिए तकनीक, कानून और नागरिक सहभागिता—तीनों स्तरों पर तेज बदलाव की आवश्यकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित राष्ट्रीय निगरानी तंत्र और आधुनिक डिजिटल जाँच प्रयोगशालाएँ सुरक्षा की मजबूत आधारशिला बन सकती हैं। त्वरित न्यायालय और कठोर दंड व्यवस्था न्याय प्रक्रिया को गति देंगे। गुप्त इंटरनेट, आभासी मुद्राओं और संदिग्ध धन–प्रवाह पर विशेष निगरानी भविष्य के खतरों को रोकने के लिए आवश्यक है। साथ ही नागरिक सहायता–सेवा, शीघ्र प्रतिक्रिया दल और दलगत राजनीति से ऊपर उठी साझा राष्ट्रीय सुरक्षा नीति ही एक सुरक्षित और सक्षम भारत का मार्ग प्रशस्त करेगी।**

संजय भट्टाचार्य मेमोरियल टेबल टेनिस टूनार्मेंट की शुरूआत, शिवम कुमार और सनाया सिंह ने जीता खिताब

पटना। पटना जिला टेबल टेनिस संघ की मेजबानी में बिहार यंग मेन्स इंस्टिट्यूट में संजय भट्टाचार्य मेमोरियल टेबल टेनिस टूनार्मेंट का शानदार आगाज हुआ। उद्घाटन समारोह में श्री राजीव भार्गव ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन संघ के सचिव दिलीप गांधी ने किया। अंडर-11 बालक वर्ग में शिवम कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। सेमीफाइनल में उन्होंने सार्थक सिंह को 3-0 से हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में अक्षत कुमार ने लक्ष्य सिंह को 3-0 से मात दी। फाइनल मुकाबले में शिवम कुमार ने अक्षत कुमार को 3-0 से पराजित कर चैंपियनशिप जीती। अंडर-11 बालिका वर्ग में सनाया सिंह विजेता बनीं। सेमीफाइनल में राजवी सिन्हा ने वेदिका जैन को 3-0 से हराया, वहीं दूसरे मुकाबले में सनाया सिंह ने वैष्णवी कुमारी को बेहद रोमांचक मैच में 3-2 से मात दी। फाइनल में सनाया ने राजवी सिन्हा को 3-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

बढ़ती हुई ठंडी को मद्देनजर रखते हुए आई बाबा फाउंडेशन की ओर से कंबल वितरण

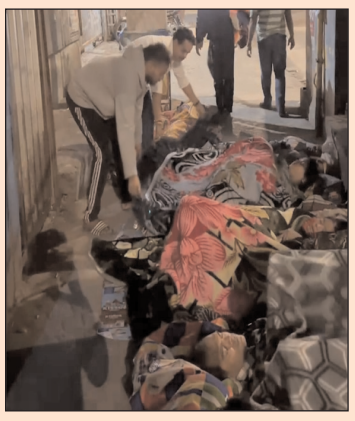

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में ठंड ने धीरे-धीरे दस्तक देनी शुरू कर दी है और शहर में ठंडक का असर स्पष्ट महसूस हो रहा है। इसी के मद्देनजर आई बाबा फाउंडेशन की ओर से टाटा अस्पताल परिसर में इलाज हेतु आए मरीज और उनके परिजनों के साथ-साथ फुटपाथ पर रात बिताने वाले बेघर नागरिकों को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित किए गए। बता दें कि स्व. संताजी गायकवाड़ की पुण्यतिथि के अवसर पर फाउंडेशन के संस्थापक योगेश मौर्य के नेतृत्व में यह सेवा उपक्रम आयोजित किया गया। ठंड के मौसम में सबसे अधिक सहायता की जरूरत रखने वाले लोगों तक गर्माहट पहुँचाने का फाउंडेशन का यह सराहनीय प्रयास स्थानीय नागरिकों द्वारा खूब प्रशंसा की जा रही है। ज्ञात हो कि आई बाबा फाउंडेशन समाज के गरीब, जरूरतमंद, आदिवासी तथा वंचित वर्गों के लिए विभिन्न सामाजिक उपक्रम लगातार चलाता रहता है। हाल ही में बाल दिवस के अवसर पर फाउंडेशन ने सड़कों और फुटपाथों पर रहने वाले अनाथ और गरीब बच्चों के साथ खिलौने, खाद्य सामग्री और आवश्यक वस्तुएँ बांटकर बाल दिवस मनाया था। समाज के वंचित वर्गों को मुस्कुराने का अवसर देना और मुश्किल घड़ी में मदद का हाथ बढ़ाना ही हमारा उद्देश्य है, ऐसा फाउंडेशन के संस्थापक योगेश मौर्य ने बताया।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया ने 20 लाख कारों का उत्पादन किया

मुंबई। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 20 लाख से ज्यादा गाड़ियों का उत्पादन करने की उपलब्धि हासिल की है, जो भारत में इसकी 25 सालों की यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण है। यह उपलब्धि समूह के अब तक के सबसे मजबूत व्यावसायिक गति के समर्थन में हासिल हुई है, जिसमें अक्टूबर 2025 समूह के गठन के बाद से सबसे सफल महीने के तौर पर उभरा, यह वैश्विक नेटवर्क में भारत की रणनीतिक भूमिका को मजबूत करता है। इस उपलब्धि में MQB-A0-IN प्लेटफॉर्म पर निर्मित 5 लाख से अधिक वाहन शामिल हैं, जो स्थानीय इंजीनियरिंग टीमों द्वारा भारत में डिजाइन और विकसित किया गया है। यह प्लेटफॉर्म स्कोडा कुशाक, स्लाविया, काइलैक, और फॉक्सवैगन टाइगुन तथा वर्टस को आधार प्रदान करता है – ये मॉडल समूह की हालिया वृद्धि की रीढ़ बन चुके हैं। अंतिम 5 लाख यूनिट मात्र 3.5 वर्षों में बनाए गए, जो भारत-निर्मित, वैश्विक बेंचमार्क वाले उत्पादों के लिए मजबूत मांग को दिखाता है। स्कोडा ऑटो और फॉक्सवैगन ने मजबूत व्यावसायिक प्रदर्शन जारी रखा है। स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपना अब तक का सर्वोच्च 10-महीने का प्रदर्शन दर्ज किया, जो वर्ष-दर-वर्ष दोगुना से अधिक होकर 2025 में 61,607 यूनिट तक पहुंच गया। दूसरी ओर, फॉक्सवैगन इंडिया ने दिवाली का जश्न अपने वर्टस के अब तक के सर्वोच्च मासिक बिक्री के साथ मनाया, जो अब प्रीमियम सेडान सेगमेंट में 40 महीनों में 40% से अधिक हिस्सेदारी का आनंद ले रहा है।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर पीयुष अरोड़ा ने कहा, भारत में हम जो भी सफलता हासिल करते हैं, वो देश की ताकत पर हमारे मजबूत विश्वास को दिखाता है–न सिर्फ बाजार के रूप में, बल्कि आने वाले समय में गाड़ियों की दुनिया में एक बड़ी ताकत के रूप में। 20 लाख का यह आंकड़ा लोगों, तकनीक और स्थानीय कौशल में हमारी लगातार लगाई गई पूंजी का नतीजा है। यह छह ब्रांडों पर भारतीय ग्राहकों के बहुत बड़े भरोसे को भी जाहिर करता है। भारतीय खरीदार दुनिया के सबसे जानकार और समझदार खरीदारों में से हैं। वे फॉक्सवैगन, स्कोडा, ऑडी, पोर्शे, लैम्बोर्गिनी या बेंटले चुनने से पहले हर अच्छाई और कमजोरी को अच्छी तरह जांचते हैं, और उनका यह भरोसा हमारी हिम्मत को और मजबूत करता है। यह सफलता बताती है कि हम अपने ग्राहकों को कितने ध्यान से सुनते हैं, और उनकी बदलती उम्मीदें यहां डिजाइन व बनाई गई चीजों को कैसे रूप देती हैं–वही क्वॉलिटी, सटीकता और भरोसा जो पूरे ग्रुप को दुनिया भर में अलग बनाता है। समूह के प्रीमियम और लग्जरी ब्रांडों ने भी इसकी मजबूत बाजार स्थिति में योगदान दिया। बेंटले ने भारत में एक नया अध्याय शुरू किया, जिसमें बिक्री, मार्केटिंग और आफ्टरसेल्स सहित इसके संचालन अब बेंटले इंडिया के तहत आते हैं, जो SAVWIPL के भीतर एक संचालनात्मक डिवीजन है, साथ ही मुंबई और बेंगलुरु में पूरी तरह नई शोरूम के साथ। पोर्श इंडिया ने पिछले छह वर्षों में 4,400 से अधिक ग्राहकों को जोड़ा और देश भर में 13 बिक्री बिंदुओं तक अपनी उपस्थिति का विस्तार किया। ऑडी ने कई उपलब्धियों का जश्न मनायाः फ्र द8 ने 2025 ऑटोएक्स अवॉर्ड्स में परफॉर्मेंस कार ऑफ द ईयर जीता, और ऑडी अप्रूव्डः प्लस ने जनवरी से सितंबर 2025 के बीच 5% वृद्धि दर्ज की। ब्रांड ने भारत के ईवी इकोसिस्टम को मजबूत किया, जिसमें सेगमेंट-फर्स्ट चार्ज माय ऑडी पहल के फेज क्क के तहत 6,500 से अधिक चार्जिंग पॉइंट्स स्थापित किए गए।

रेमेडियम लाइफकेयर का धमाकेदार प्रदर्शन, दूसरी तिमाही में मुनाफा दोगुना

मुंबई। फार्मा और स्पेशियलिटी केमिकल सेक्टर में सक्रिय रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड ने सितंबर-2025 को समाप्त दूसरी तिमाही और अर्धवार्षिक अवधि के नतीजे जारी करते हुए बेहतरीन परफॉर्मेंस दर्ज किया है। कंपनी के मुताबिक परिचालन दक्षता, पोर्टफोलियो की मजबूती और विस्तार रणनीति ने वित्तीय परिणामों को नई ऊंचाई दी है। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त हुई तिमाही के दौरान एकीकृत वित्तीय परिणामों ने मजबूत परिचालन गति दिखाई। परिचालन कार्यों से एकीकृत आय 11,105.82 लाख रुपए दर्द की गई, जबकि कुल आय 11,431.25 लाख रुपए दर्ज हुई। इस तिमाही में कर से पहले का सयुक्त मुनाफा 1,043.69 लाख रुपए और कर के बाद का मुनाफा 862.34 लाख रुपए रहा। प्रति शेयर आय 0.10 हुई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही की तुलना में दोगुनी है। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त हुई अर्धवार्षिक अवधि के आंकड़ों पर गौर करे तो परिचालन कार्यों से कुल आय 22,442.39 लाख रुपए हुई और कुल आय 23,115.60 लाख दर्ज हुई। छह महीनों के लिए कर से पहले का मुनाफा 1,614.92 लाख रुपए रहा, जबकि कर के बाद का मुनाफा 1,327.22 लाख रुपए रहा, जो प्रति शेयर 0.15 रुपए की कमाई दशार्ता है। 30 सितंबर, 2025 तक कुल एकीकृत संपत्ति 1,62,318.10 लाख रुपए थी।

बोईसर ब्रह्माकुमारीज राजयोग केंद्र ने लिया नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प

- 6 दिसंबर तक चलेंगे विविध जनजागरूकता कार्यक्रम
- एक कदम नशामुक्त भारत की ओर – नशा छोड़ो, परिवार जोड़ो

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। ब्रह्माकुमारीज राजयोग सेवा केंद्र, बोईसर द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पास्थल में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। यह कार्यक्रम हार्मन हॉल, पतंजलि मेगा स्टोर कार्यालय में संपन्न हुआ, जिसमें संस्था की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिकाएँ बी.के. नम्रता दीदी, हीरल दीदी, बी.के. अशोक भाई, कलोटिया तथा मनीष शेल्के उपस्थित थे।

नशा मुक्त कार्यक्रम की शुरूआत मान्यवरों के हाथों नारियल तोड़कर की गई।कार्यक्रम के दौरान समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में व्यापक जनजागरण अभियान की शुरूआत की गई। ब्रह्माकुमारीज की पास्थल शाखा द्वारा यह अभियान 22 नवंबर से 6 दिसंबर 2025 तक चलाया जायेगा। इस अवधि में नशामुक्ति संबंधी जनजागरूकता कार्यक्रम, परामर्श सत्र, कार्यशालाएँ तथा सकारात्मक जीवन के लिए प्रेरक मार्गदर्शन दिए जाएंगे। मीडिया से संवाद करते हुए बी.के. नम्रता दीदी ने बताया कि 14 से 18 वर्ष की आयु के कई किशोर आज नशीले पदार्थों के सेवन की चपेट में आ रहे हैं, जिसका परिणाम गंभीर बीमारियों और कम उम्र में मृत्यु तक होता है।उन्होंने बताया कि भारत में हर 8 सेकंड में एक व्यक्ति की मौत तंबाकू सेवन से होती है।तंबाकू से मुख कैंसर सहित कई घातक रोग होते हैं।विश्वभर में प्रतिवर्ष 12 लाख से अधिक मौतें नशे के कारण होती हैं। दीदी ने यह भी कहा कि अभियान का उद्देश्य सिर्फ नशे से दूर रहने का संदेश देना ही नहीं है, बल्कि इसके साथ स्वच्छ पर्यावरण, वृक्षारोपण, स्वस्थ जलवायु, स्वच्छ विचार और सकारात्मक जीवनशैली को प्रोत्साहित करना भी है। इस अभियान के अंतर्गत अगले कार्यक्रम बोईसर के आदर्श विद्यालय, भैया पांडा तथा चित्रालय में आयोजित किए जायेंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में डॉ. शंकर नारायणन (टी.ए.पी.एस.), केंद्र के निदेशक श्री थत्ते, केंद्रीय सुरक्षा बल के अधिकारी आंसू सिंघल, मूनलाइट के संस्थापक शशिकांत सिंह, नारकोटिक्स विभाग के अधिकारी, उद्योग जगत से दर्शन टेक्सटाइल्स के उद्योगपति प्रफुल्ल त्रिवेदी, विराज कम्पनी से दीपक भावे के अलावा स्थानीय समाजसेवक गणेश घरत, पुष्पा तिवारी, राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के ललित माली, शिवशंकर तिवारी तथा पास्थल ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बोईसर के अनेक मीडिया प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज की नम्रता दीदी ने चित्रपट के माध्यम से प्रेरक संदेश दिए तथा उपस्थित जनों का सम्मान किया। सभी उपस्थित लोगों ने एक स्वर में ह्नशामुक्त भारतह्व बनाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा बोलते हुए कहा कि नशा जीवन नहीं, सपनों को नष्ट कर देता है। विकसित समाज वही कहलाता है, जहाँ युवा नशे से दूर रहकर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें। ब्रह्माकुमारीज ने स्पष्ट किया कि यह अभियान किसी एक क्षेत्र या वर्ग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हर गाँव, हर परिवार और प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाया जायेगा। अभियान का मुख्य संदेश है– नशा छोड़ो, परिवार जोड़ो जीवन को सुंदर बनाओ।

पुणे पुलिस ने मध्यप्रदेश में हथियार बनाने वाली इकाइयों का भंडाफोड़ किया, 47 लोग हिरासत में

पुणे। महाराष्ट्र की पुणे पुलिस ने शनिवार को मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले के उमर्टी गांव में अवैध हथियार निर्माण इकाइयों पर छापा मारा। इस कार्रवाई में अवैध हथियार तथा सामग्री जब्त करने के साथ 47 लोगों को हिरासत में लिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अवैध हथियार निर्माण वाले चार कारखानों को ध्वस्त कर दिया गया है। साथ ही, दो पिस्तौल, पांच मैगजीन और हथियार निर्माण में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न सामग्री जब्त की गई है।

उन्होंने बताया कि यह छापेमारी 105-सदस्यीय टीम द्वारा की गई है जिसमें अपराध शाखा के कर्मियों के साथ-साथ वायरलेस, ड्रोन, निगरानी और साइबर अनुभागों से संबंधित अधिकारी भी शामिल थे। पुलिस के एक एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सोमय मुंडे के नेतृत्व वाली एक टीम ने पुणे से लगभग 500 किलोमीटर दूर मध्य प्रदेश के उमर्टी गांव में बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के दौरान 47 लोगों को हिरासत में लिया गया है जबकि चार अवैध कारखानों को ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान हमने दो पिस्तौल, चार खोखे, दो कारतूस, पाच मैगजीन, 100 से अधिक कच्चे बैरल और 14 पीसने वाली मशीनें जब्त की हैं।

समाजसेवक सागर पावशे द्वारा महिलाओं के लिए हल्दी कुमकुम समारोह

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के जाईबाई स्कूल परिसर में सागर मित्र मंडल और शिवसेना विधानसभा संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़ के प्रयासों से महिलाओं के लिए एक विशेषकार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें साड़ी बांटने और हल्दी-कुमकुम का कार्यक्रम हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को सम्मान और प्रोत्साहन देना था, जिससे समाज का विकास हो सके।

समाज सेविका सारिका महेश गायकवाड़ की मौजूदगी में हुए इस प्रोग्राम में इलाके की बड़ी संख्या में माताओं और बहनों ने हिस्सा लिया। हल्दी-कुमकु, साड़ी बांटने और सांस्कृतिक मेलजोल से महिलाओं में स्नेह, एकता और परंपरा को फिर से जगाने की भावना और मजबूत हुई।महिलाओं के इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज सेवक सागर पावशे ने कहा की कल्याण पूर्व में हर सामाजिक पहल में मेरा मार्गदर्शन, सहयोग और सक्रिय भागीदारी जारी रहेगी। हमारे काम का मुख्य लक्ष्य महिलाओं को सशक्त बनाना और सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी बढ़ाना है। अगर महिलाएं सशक्त होंगी, तो पूरा समाज मजबूत होगा।

उनके साफ और असरदार भाषण ने वहां मौजूद महिलाओं में उत्साह और आत्मविश्वास भर दिया। इस कार्यक्रम सफल बनाने के लिए समाज सेवक सागर पावशे और श्वेता सागर पावशे ने कड़ी मेहनत की।

वहां मौजूद महिलाओं ने खुशनुमा माहौल में कार्यक्रम का खूब मजा लिया। हल्दी कुंकु की पारंपरिक रस्मों के साथ-साथ प्यार, संस्कृति के रिश्तों के मजबूत होने की तस्वीर दिखाई दी।

चोरी के सामान सही 3 आरोपी गिरफ्तार

भायंदर(उत्तरशक्ति)। अपराध जांच शाखा सेल-2 वसई ने वालिव पुलिस स्टेशन के गंभीर मामले ऋफ ठङ्क. 547/2025 (धारा बीएनएस 109, 311, 309(6), 332(बी), 3(5)) में बड़ी सफलता हासिल करते हुए हत्या के प्रयास सहित डकैती के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

18 नवंबर 2025 को वसई पश्चिम स्थित दामुपाड़ा सातीवली में शिकायतकर्ता गीता राउत के घर में तीन अज्ञात आरोपियों ने घुसकर चाकू की नोक पर हमला किया तथा 12 तोले सोना और एक मोबाइल फोन लूट लिया था।

गुप्त जानकारी और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपियों का पता कर्नाटक के हुमनाबाद तालुका के नांदगांव में लगाया। 20 नवंबर 2025 को छापेमारी कर अशोक उर्फ बाबू शिंदे, अब्दुल रऊफ हाशमी और रितिक बेलांगी को हिरासत में लिया गया। इनके पास से 10 लाख रुपये मूल्य का सोना, नकदी और मोबाइल बरामद किए गए। पूछताछ में तीन अन्य साथियों–नूर हसन खान, सूरज जाधव, और कालू प्रभाकर साहू–की भी पहचान हुई।

गिरफ्तार आरोपियों को आगे की कार्रवाई हेतु वालिव पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक के मार्गदर्शन में अपराध शाखा-2 वसई टीम द्वारा की गई।

भारतीय जनभाषा प्रचार समिति की मासिक काव्यगोष्ठी संपन्न

ठाणे (उत्तरशक्ति)। साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था भारतीय जनभाषा प्रचार समिति ठाणे की मासिक काव्यगोष्ठी शनिवार को मुन्ना विष्ट कार्यालय, सिडको ठाणे पश्चिम में संपन्न हुआ। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार किशन तिवारी - भोपाल ने किया तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में युवा साहित्यकार पवन तिवारी एवं शायरा रेखा किंगर रोशनी उपस्थित थीं। मंच का खूबसूरत संचालन विनय सिंह विनम्र ने किया।उपस्थित अतिथियों संग त्रिलोचन सिंह अरोरा ने नव नियुक्त संस्था अध्यक्ष विनय सिंह विनम्र एवं उप चेयरमैन नंदलाल क्षितिज का सम्मान अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर किया तथा शुभकामनाएं दी तत्पश्चात संस्था पदाधिकारियों ने अतिथियों का सम्मान किया।गोष्ठी का शुभारंभ सदाशिव चतुर्वेदी मधुर के मां सरस्वती वंदना से हुई।उपस्थित साहित्यकारों में नरसिंह बी सिंह हैरान, नंदलाल क्षितिज, सदाशिव चतुर्वेदी मधुर, कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप, माता प्रसाद शर्मा, डॉ वफा वारसी, रमाशंकर यदुवंशी, सुशील शुक्ला नाचीज, ओमप्रकाश तिवारी, श्रीधर मिश्र आत्मिक, लाल बहादुर यादव कमल मुख्य रूप से थे।सभी ने अपनी-अपनी कविताओं से श्रोता साहित्यकारों को मंत्रमुग्ध कर दिया।अंत में संस्था सचिव हैरान जौनपुरी ने उपस्थित सभी साहित्यकार अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्रगान के साथ गोष्ठी का समापन किया।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर द्वारा इंटरेक्ट क्लब चिन्मया विद्यालय में बैंकिंग कार्यशाला आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के औद्योगिक शहर बोईसर (प.) में स्थित शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी चिन्मया विद्यालय में शुक्रवार दिनांक 21 नवंबर 2025 को बैंकिंग जागरूकता हेतु एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रोटरी क्लब ऑफ बोईसरझतारापुर एवं उसकी छात्र शाखा इंटरेक्ट क्लब ऑफ चिन्मया विद्यालय द्वारा विद्यालय प्रशासन के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मान्यवरों के भव्य स्वागत व छात्रझछात्राओं के उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित एस.वी.सी. बैंक की शाखा प्रबंधक रोटेरियन आरती शिंदे, जो रोटरी क्लब की सक्रिय सदस्य भी हैं, ने विद्यार्थियों को बैंकिंग प्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। उन्होंने सरल भाषा में लोन प्रक्रिया, बचत खाता चालू खाता , साइबर फ्रॉड से बचाव के उपाय तथा बैंकिंग से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को विस्तारपूर्वक समझाते हुए विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान भी किया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रिंसिपल डिंपल मिस्त्री, इंटरेक्ट क्लब की कोर्डिनेटर अशमी जोशी, शिक्षकगण व करीब 400 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ बोईसरझतारापुर की ओर से प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल, यूथ डायरेक्टर व पास्ट प्रेसिडेंट डॉ. पराग कुलकर्णी, पास्ट प्रेसिडेंट वैशाली शिंदे, रोटेरियन स्मिता जाधव, रोटेरियन आरती शिंदे, रोटेरियन रत्ना सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। क्लब के प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल ने अपने उद्बोधन में कहा कि रोटरी क्लब आगे भी इसी प्रकार के जनोपयोगी व शिक्षण उन्मुख कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। कार्यशाला के मुख्य रचनाकार डॉ. पराग कुलकर्णी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बैंकिंग जागरूकता को समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया।

कार्यक्रम के समापन के दौरान प्रिंसिपल डिंपल मिस्त्री ने रोटरी क्लब के सभी पदाधिकारियों, विद्यालय के शिक्षकों तथा उपस्थित विद्यार्थियों का हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया और ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत लाभकारी बताया।

शिवसेना ने द्वारा जिला संपर्क प्रमुखों की घोषणा

पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए विधायक और सांसद मैदान में उतरेंगे

चेतन निर्मल संवाददाता

कल्याण । लोकल बॉडी चुनावों के मद्देनजर, शिवसेना ने आज जिला संपर्क प्रमुखों की घोषणा की। नगर पंचायत, नगर परिषद और आने वाले जिला परिषद और म्युनिसिपल चुनावों में मजबूती से लड़ने के लिए पार्टी के सीनियर नेताओं, सांसद और विधायकों को जिला संपर्क प्रमुख नियुक्त किया गया है। शिवसेना के मुख्य नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने निर्देश दिया है कि जब तक लोकल बॉडी चुनाव का कार्यक्रम पूरा नहीं हो जाता, संपर्क प्रमुख जिले में ही रहें। शिवसेना सचिव संजय मोरे ने एक प्रेस रिलीज जारी की है और पार्टी ने राज्य में 40 जगहों पर जिला संपर्क प्रमुखों के पदों की घोषणा की है। सांसद नरेश म्हस्के को ठाणे, नवी मुंबई और पुणे की जिम्मेदारी दी गई है। कोंकण में सिंधुदुर्ग जिला संपर्क प्रमुख पद की जिम्मेदारी किरण पावसकर और राजेश मोरे को दी गई है। रत्नागिरी के लिए यशवंत जाधव, रायगढ़ रूरल के लिए संजय घाडी, पालघर के लिए रवींद्र फाटक, ठाणे रूरल के लिए प्रकाश पाटिल, पिंपरी चिंचवड़ सिटी के लिए सिद्धेश कदम, पुणे रूरल के लिए सांसद श्रीरंग बारणे और राम रेपाले, सतारा के लिए शरद कांसे, सांगली के लिए राजेश क्षीरसागर, कोल्हापुर के लिए धैर्यशील माने और संजय मंडलिक, सोलापुर के लिए संजय कदम, नासिक लोकसभा के लिए राम रेपाले, डिंडोरी लोकसभा के लिए राम रेपाले के साथ-साथ भाऊसाहेब चौधरी को डिस्ट्रिक्ट लाइजन चीफ बनाया गया है। जलगांव डिस्ट्रिक्ट के लिए सुनील चौधरी, नंदुरबार के लिए राजेंद्र गावित, धुला के लिए मंजुला गावित को जिम्मेदारी दी गई है। छत्रपति संभाजीनगर में मेट्रोपॉलिटन लाइजन चीफ के लिए विलास पारकर, छत्रपति संभाजीनगर रूरल के लिए अर्जुन खोतकर, जालना के लिए अर्जुन खोतकर और भास्कर आंबेकर चुने गए हैं। बीड में टी.पी. मुंडे और मनोज शिंदे, धाराशिव के लिए राजन साल्वी, नांदेड़ के लिए सिद्धराम म्हेत्रे, लातूर के लिए किशोर दराडे, बुलढाणा के लिए हेमंत पाटिल, परभणी के लिए आनंद जाधव, नागपुर ग्रामीण और नागपुर शहर के लिए दीपक सावंत और गढ़चिरौली के लिए दीपक सावंत के साथ किरण पांडव को जिला संपर्क प्रमुख के पद की जिम्मेदारी दी गई है। प्रेस रिलीज में कहा गया है कि भंडारा के लिए गोपीकिशन बाजोरिया, अमरावती के लिए नरेंद्र भोंडेकर, वर्धा के लिए राजेंद्र साप्ते, यवतमाल में हेमंत गोडसे, वाशिम में जगदीश गुप्ता, हिंगोली में हेमंत पाटिल, अकोला में अभिजीत अडसुल, चंद्रपुर में किरण पांडव और अहिल्यानगर में विजय चौधुले को जिला संपर्क प्रमुख नियुक्त किया गया है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल

रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के किरतापुर उसरहिया गांव के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात कार के टक्कर से बाइक सवार सफाई कर्मी की मौके पर मौत हो गई। वही बाइक पर पीछे बैठा उसका मित्र घायल हो गया। शुक्रवार की रात थाना क्षेत्र के करमही गांव का जितेंद्र यादव गांव के ही अपने मित्र अजय प्रजापति के साथ बाइक से धमापुर के तरफ बारात गया हुआ। बारात अटेंड कर जितेंद्र अपने मित्र के साथ वापस घर लौट रहा था। जैसे ही बाइक सवार

जौनपुर- केराकत हाईवे पर किरतापुर उसरहिया गांव के पास पहुचा तभी विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने टक्कर मार दिया। घटना के फलस्वरूप बाइक चला रहे जितेंद्र यादव (36) की मौके पर ही मौत हो गई। वही पीछे बैठा अजय प्रजापति (25) घायल हो गया। घटना के आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर आ गए। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस आ गयी। पुलिस ने घायल अजय प्रजापति को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। वही जितेंद्र यादव के शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक जितेंद्र यादव धमापुर ब्लॉक क्षेत्र के रायपुर गांव में सफाई कर्मी पद पर कार्यरत था।

जौनपुर-भदोही राजमार्ग पर सिरया पुल के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो दुर्घटनाग्रस्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर-भदोही राजमार्ग पर शनिवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब जमालपुर के निकट सिरया पुल पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बेकाबू होकर पुल से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो (वाहन संख्या यूपी 65 डीवी 6880) वाराणसी की ओर से तेज रफ्तार में आ रही थी। तेज गति के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और सीधे पुल के किनारे जा भिड़ा। दुर्घटना में स्कॉर्पियो का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, शीशे टूट गए और हेडलाइट का हिस्सा दब गया। हादसे के दौरान पास से गुजर रही एक बोलेरो भी स्कॉर्पियो की चपेट में आ गई, जिससे बोलेरो का पिछला हिस्सा दब गया। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। स्कॉर्पियो में चालक के साथ कुछ महिलाएं सवार थीं। सभी को चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत मड़ियाहूं अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ उनका उपचार जारी है। मौके पर पहुँची पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क किनारे हटवाकर यातायात सुचारु कराया। हादसे के कारण कुछ समय तक राजमार्ग पर जाम जैसी स्थिति बनी रही। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

लेनदेन के विवाद में युवक पर जानलेवा हमला, चार दबंगों ने लाठी-डंडों से पीटा

◆ गंभीर रूप से घायल युवक जिला अस्पताल रेफर

कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को लिया हिरासत में, अन्य की तलाश तेज

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लेनदेन को लेकर शुरू हुआ विवाद शुक्रवार दोपहर खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया, जिसमें एक युवक को दबंगों ने बेरहमी से पीटकर मरणासन्न कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है, जबकि पुलिस मामले की तह तक पहुँचने में जुटी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के पट्टी चकसर निवासी 28 वर्षीय मंशाराम पुत्र संत राम चौहान क्षेत्र की एक महिला के घर बकाया गेहूं और रुपये मांगने गया था। आरोप है कि पैसे देने के बजाय महिला ने चार

दबंग युवकों को बुला लिया, जिन्होंने मंशाराम पर अचानक लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमलावरों ने युवक को अधमरा छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल मंशाराम को कोतवाली ले गए। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

इस संबंध में मिली तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने एक युवक को हिरासत में ले लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

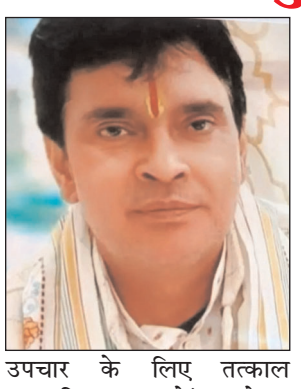

निमंत्रण से लौट रहे स्कूटी सवार पंडित अवधेश चतुर्वेदी की कार दुर्घटना में मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के बाईं पास पर वैगनआर कार से टकराकर घायल स्कूटी सवार की मौत हो गई। बताते हैं कि नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला आलमगंज निवासी पंडित अवधेश चतुर्वेदी उम्र लगभग 52 वर्ष शुक्रवार के दिन एक निमंत्रण करने के लिए मड़ियाहूं गए हुए थे।

दिन के लगभग 3:00 बजे वह अपनी स्कूटी से निमंत्रण करके वापस लौट रहे थे। जब वह बाईपास के पास से गुजर रहे थे तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दिया जिससे वह अपनी स्कूटी से छटक कर दूर जा गिरे। स्थानीय लोग ने उन्हें

उपचार के लिए तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले गए जहां गंभीर को लगने के कारण चिकित्सक द्वारा बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल भेज दिया गया। जिला अस्पताल पहुंचने पर हालात काबू में न होने के कारण उन्हें ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर किया गया। वाराणसी ले जाते समय उनकी मृत्यु हो गई।

पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जैसे ही यह खबर उनके घर पहुंची तब वहां कोहराम मच गया। पंडित अवधेश चतुर्वेदी गीतांजलि संस्था समेत कई सामाजिक संस्थाओं से इनका विशेष लगाव रहा है। उनके शुभचिंतकों की भीड़ जिला चिकित्सालय में देर रात तक जुटी हुई थी। सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष अमर जौहरी सहित तमाम लोग मौके पर पहुंच गए और गहरा दुख व्यक्त किया है।

यातायात माह नवंबर के तहत बी.आर.पी. इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नवंबर माह को यातायात माह के रूप में मनाए जाने के क्रम में शनिवार को

बी.आर.पी. इंटर कॉलेज, जौनपुर के प्रांगण में एक महत्वपूर्ण यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं तथा आम जनमानस को सुरक्षित यातायात नियमों के प्रति संवेदनशील बनाना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर (वहर) आयुष श्रीवास्तव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कॉलेज के छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के महत्व के बारे में विस्तार से संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर जोर दिया:

हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग उन्होंने बताया कि दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना और चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाना जीवन रक्षक हो सकता है। तेज रफ़्तार से बचना छात्र-छात्राओं को नियंत्रित गति से वाहन चलाने और ओवर-स्पीडिंग से बचने की सलाह दी। शराब पीकर ड्राइविंग पर रोक, नशे की हालत में वाहन चलाने के खतरों और इसके कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। जेब्रा क्रॉसिंग और सिग्नल का पालन सड़क पार करने के लिए जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करने और यातायात सिग्नलों का कड़ाई से पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यातायात नियम केवल पुलिस का भय नहीं, बल्कि सुरक्षित जीवन की गारंटी हैं। युवा पीढ़ी को इन नियमों का पालन कर समाज में एक सकारात्मक संदेश देना चाहिए। उपस्थिति कार्यक्रम में बी.आर.पी. इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य, समस्त अध्यापकगण, और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने यातायात सुरक्षा को लेकर शपथ ली और इसे अपने दैनिक जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

यह जागरूकता कार्यक्रम यातायात माह नवंबर के दौरान जौनपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे व्यापक जागरूकता अभियान का एक हिस्सा था।

कीचड़ में गिरने से हीरे की कीमत कभी कम नहीं होती: डा.जयसिंह राजपूत

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के ग्राम सभा परौवां के हनुमान मंदिर प्रांगण में इंद्रमणि सिंह द्वारा आयोजित पुस्तक पेन वितरण, शिक्षा एवं स्वाभिमान जागरूकता अभियान के तहत क्षत्रिय विकास

संस्था के प्रदेश प्रभारी डा०जयसिंह राजपूत द्वारा कहा गया कि कीचड़ में गिर जाने से हीरे की कीमत कम नहीं होती, क्योंकि जब भी वह कीचड़ से निकलेगा तो असल में हीरा ही निकलेगा कीचड़ नहीं, ठीक उसी प्रकार आपके गौरवशाली इतिहास एवं पराक्रमी पूर्वजों की कहानी यह बयां करती है कि आप उस महान चक्रवर्ती वीर शिरोमणि क्षत्रिय सम्राट पृथ्वीराज चौहान की वंशज हैं, जिन्होंने स्वाभिमान और सम्मान से समझौता नहीं किया, सर कटाना मंजूर था लेकिन सर झुकाना मंजूर नहीं था, अब समय आ गया है अपने पूर्वजों के बलिदान एवं पराक्रम की कहानी को याद करिए और फिर से इतिहास के सुनहरे पन्नों में अपने शौर्य एवं पराक्रम की गाथा को दर्ज कराने हेतु चिर निद्रा से बाहर आइए, तभी सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा हो सकती है। इस अवसर अर्पिता राजपूत, अनुराग सिंह, श्रेया सिंह चौहान, शारदा देवी, सेवालाल परिहार, विनीत राजपूत अन्य क्षेत्रों के तमाम महिलाएं, बच्चे, नौजवान एवं बुजुर्ग उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने किया माघ मेले की तैयारियों का निरीक्षण

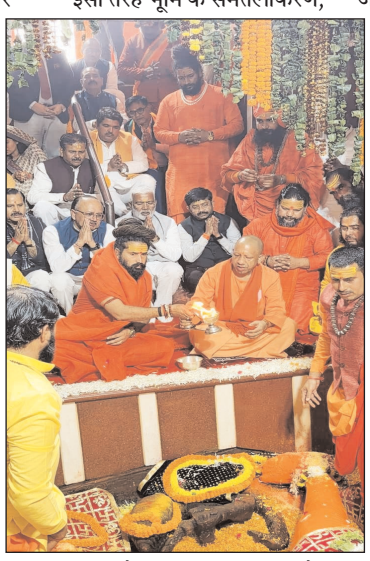

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने माघ मेले की तैयारियों का जायजा लिया। इसके बाद मां गंगा का विधि विधान से पूजन किया। साथ ही संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन पूजन किया। मंदिर में पूजन और गंगा पूजन के दौरान महंत बलवीर गिरि भी मौजूद रहे।

मेले की तैयारियों की बैठक में मेला प्राधिकरण के मेलाधिकारी ऋषि राज व अन्य अधिकारियों ने प्रोजेक्टर के माध्यम से उन्हें अब तक हुई तैयारियों की जानकारी दी। जिसमें बताया गया कि पिछले माघ मेले की अपेक्षा इस बार 20 आगे काम चल रहा है। सभी पांटून पुल लगभग तैयार हैं। पिछले माघ मेले में अब तक पांटून बनाने का कार्य भी नहीं शुरू हुआ था।

इसी तरह भूमि के समतलीकरण,

घाटों की तैयारी भी काफी तेज है। मेले मे प्रकाश व्यवस्था के लिए कार्य जोरों पर चल रहा है। घाटों पर लाइटिंग भी कर दी गई है।

सीएम योगी के साथ कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, दीपक पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह, सांसद प्रवीण पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, पीयूष रंजन निषाद, सिद्धार्थनाथ सिंह समेत तमाम नेतागण मौजूद रहे।

वीआईपी घाट पर पहुंचे सीएम ने फ्लोटिंग जेटी पर बैठकर गंगा पूजन किया। इस मौके पर मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल, पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार, डीएम मनीष कुमार वर्मा, एडिशनल सीपी अजय पाल शर्मा समेत तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

गोद लिए मरीजों को पोषाहार तथा टीबी मुक्त होने तक सहयोग करना लक्ष्य: डॉ.अंजू सिंह

टीबी से मुक्ति के लिए दवा का पूरा कोर्स और प्रोटीन युक्त आहार जरूरी

सिंगरामऊ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामाजिक संस्था ठाकुरवाड़ी महिला विकास कल्याण समिति के

गौरीशंकर मंदिर स्थित मुख्यालय पर प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत गोद लिए गए 124 मरीजों को पोषाहार किट बांटा गया। इसमें अगस्त माह में गोद लिए गए 84 मरीज को चौथी बार तथा नवंबर में गोद लिए गए 40 मरीज को पहली बार पोषाहार किट दी गई।

बतौर मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ.लक्ष्मी सिंह ने मरीजों को जागरूक करते हुए टीबी के लक्षणों, उपचार और सरकारी सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने दवा का पूरा कोर्स खाने तथा प्रोटीन युक्त आहार लेने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने सभी मरीजों को उनके परिवार वालों की क्षय रोग संबंधी जांच करवा कर टीपीटी लेने के लिए भी आग्रह किया। लोगों की मांग पर उन्होंने सबके साथ हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब, टीबी हारेगा, देश जीतेगा, एक दिन गाकर सुनाया।

संस्था प्रमुख डॉक्टर अंजू सिंह ने कहा कि मरीज को इलाज के दौरान अतिरिक्त पोषण और उचित देखभाल की जरूरत पड़ती है। इसलिए संस्था अब तक हजारों मरीजों को गोद लेकर लगातार 6 माह तक उन्हें पोषाहार वितरित कर चुकी है और अभी भी यह प्रयास जारी है। इससे मरीजों को शीघ्र स्वस्थ होने में मदद मिली है। इतना ही नहीं यहां पर कई मरीजों को उन्हें बेहतर जीवन निर्वहन के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें आय का जरिया तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई है। इसके चलते अपने रोग से निराश कई लोग स्वस्थ होकर अपने परिवार की आय का मुख्य स्रोत भी बन चुके हैं। इसलिए नियमित समय पर दवा और पोषण लेकर स्वस्थ बनें।

इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिंगरामऊ के एमओआईसी डॉ.अभिषेक वर्मा ने सीएमओ डॉ.लक्ष्मी सिंह के क्षेत्र को दिए गए योगदान के लिए उनकी प्रशंसा की और टीबी रोगियों को लगातार पोषाहार वितरित करने के लिए संस्था प्रमुख डॉ.अंजू सिंह के योगदान को क्षेत्र के लिए उपलब्धि बताया। इस दौरान डॉ.मुन्ना पांडे क्षयरोग की पहचान करने के लिए क्षयरोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन सौम्या सिंह और नेहा सिंह ने किया। इस अवसर पर सभी टीबी मरीजों के साथ-साथ कार्यक्रम में बदलापुर के एसटीएस तरुण कुमार, अजय तिवारी, राजेश दुबे, लालमणि मिश्रा, सत्यजीत मौर्य, सद्दाम अख्तर, नेहा सिंह, मंजू सिंह, जबी अख्तर, कंचन आदि उपस्थित रहे।

सीएचसी में आवारा कुत्तों का आतंक, मरीजों की बढ़ी मुश्किलें

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद नहीं हो रही कार्रवाई

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आवारा कुत्तों का जमावड़ा मरीजों और कर्मचारियों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। अस्पताल परिसर, वार्डों के बाहर, टीकाकरण कक्ष और

आपातकालीन विभाग के पास कुत्तों की लगातार मौजूदगी से लोगों में डर और असुरक्षा का माहौल है। रात के समय कुत्तों के पीछे पड़ने की कई घटनाएँ सामने आई हैं। तीमारदार और महिलाएँ वार्ड से बाहर निकलने में भी हिचकिचा रही हैं। मेडिकल वेस्ट और कूड़ेदान के पास कुत्तों की भीड़ रहती है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ता है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार अस्पताल जैसी जगहों पर आवारा कुत्तों को नियंत्रित करना नगर निकाय और प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बताते हैं पालिका को कई बार सूचना भेजी गई, फिर भी समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है ताकि मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी सिकरारा कार्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी

डॉ. दिनेश चंद्र के द्वारा आज खंड विकास अधिकारी सिकरारा के कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में हो रहे कार्यों की प्रगति का विस्तारपूर्वक समीक्षा किया।

जिलाधिकारी ने गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटलाइजेशन प्रक्रिया की गहन समीक्षा की। डिजिटलाइजेशन के दौरान उत्पन्न होने वाली तकनीकी व कार्यगत समस्याओं को तत्काल संज्ञान में लेते हुए उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

उन्होंने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि बूथवार प्रगति की निरंतर समीक्षा सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जिन बूथों पर कल कार्य अपेक्षा के अनुरूप संतोषजनक नहीं पाया गया था, वहाँ की प्रगति में आज सुधार अवश्य दिखना चाहिए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि प्रतिदिन प्रत्येक बूथ पर सक्रिय रूप से कार्य किया जाए, जिससे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्य की प्रगति में तेजी लाई जा सके।

जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि गणना प्रपत्र वितरण एवं फीडिंग के कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा सभी कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सम्पादित किए जाएँ।

इस दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं बीएलओ से दूरभाष के माध्यम से वार्ता कर गणना प्रपत्र के वितरण और संग्रहण की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी, कर्मचारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

नाबालिग बालिका के दुष्कर्म व गम्भीर चोट पहुंचाने से सम्बन्धित एक आरोपी को किया गया गिरफ्तार

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक केराकत दीपेन्द्र सिंह के निर्देशन में थाना केराकत पुलिस द्वारा आरोपी जितेंद्र गुप्ता पुत्र विनोद गुप्ता निवासी बीरमपुर पुरवपट्टी थाना केराकत जनपद जौनपुर उम्र करीब 31 वर्ष को

सम्बन्धित मु0अ0 सं0 346/2025 धारा 65(1)/351(3) बीएनएस व 3 पाक्सो एक्ट में देवकली चौराहा से समय 5.55 बजे पर गिरफ्तार कर चालान सम्बन्धित मा0 न्याया0 जौनपुर किया गया।

समाधान दिवस के बाद पुलिस अधीक्षक ने पूरे थाना परिसर का किया गहन निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक, जौनपुर द्वारा समाधान दिवस पर थाना लाइन बाजार में किया जनसुनवाई तत्पश्चात थाने का किया निरीक्षण ' जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश पुलिस अधीक्षक, जौनपुर ने आज दिनांक 22.11.2025 को समाधान दिवस के अवसर पर थाना लाइन बाजार पर फरियादियों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना और उनके तत्काल निस्तारण के लिए थाना प्रभारी लाइन बाजार को निर्देशित किया। समाधान दिवस के बाद पुलिस अधीक्षक ने पूरे थाना परिसर का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने थाने के विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन

किया, ताकि पारदर्शिता और कार्यकुशलता बनी रहे। पुलिसकर्मियों के लिए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने हेतु किया और उन्हें अद्यावधिक (वस्त्र-ड्रेस-डिंडी) रखने के लिए निर्देशित भोजनालय (मेस) और बैरक (आवास) का निरीक्षण किया और साफ-सफाई के उच्च मानक बनाए रखने के निर्देश दिए। मालखाने में रखे सामानों और शस्त्रागार में हथियारों के रखरखाव की व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक जौनपुर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से लिया जाए और उसका गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, उन्होंने थाना परिसर में साफ-सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया।

जनपद के सभी थानों पर समाधान दिवस का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के सभी थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया, थाना पवारा पहुंचकर लोगों की शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण हेतु

जिसमें अधिकारियों द्वारा आमजनमानस की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने निर्देशित किया। इस दौरान जिलाधिकारी के समक्ष भूमि पर अवैध कब्जा, आपसी विवाद, मार्ग विवाद, पैमाइश संबंधी शिकायतें सहित विभिन्न प्रकरण प्रस्तुत हुए। जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जमीन विवादों से संबंधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अपनी समस्या के समाधान हेतु अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। इस अवसर पर पुलिस विभाग के अधिकारी, सहित अन्य उपस्थित रहे।

एनसीसी दिवस समारोह सल्तनत बहादुर महाविद्यालय में संपन्न

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील मुख्यालय स्थित सल्तनत बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय बदलापुर जौनपुर में 22 नवंबर 2025 को एनसीसी डे सेलिब्रेट किया गया इस अवसर पर 96 यू.पी बटालियन एन.सी.सी के निर्देशानुसार परेड एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया

गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.सुनील प्रताप सिंह ने एन.सी.सी कैडेट्स को प्रेरित करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया। महाविद्यालय में एन.सी.सी प्रभारी डॉ.कर्मचन्द यादव ने कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स की उपस्थिति रही।

वसई में मुत्तप्पन वेल्लटम और कालभैरव महापूजा का आयोजन

वसई। वसई (पूर्व) के ओम नगर क्षेत्र में रविवार, 23 नवंबर 2025 को एक भव्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए दो विशेष पूजाओं मुत्तप्पन वेल्लटम महापूजा और कालभैरव महापूजा – का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम ओम नगर मैदान में संपन्न होगा, जहाँ भक्तों के लिए दर्शन और पूजा में सहभागिता के विशेष इंतजाम किए गए हैं। दर्शन का समय दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे तक निर्धारित है। विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों, मंत्रोच्चारण और आरती के साथ पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण निर्मित होगा। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक उत्तम कुमार (कन्वीनर झ केरल प्रकोष्ट, बीजेपी महाराष्ट्र प्रदेश) ने वसई के नागरिकों से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह पवित्र पूजा भक्तों को मन की शांति, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक संतुष्टि प्रदान करेगी। यह आयोजन वसई के भक्तों के लिए एक विशेष आध्यात्मिक अवसर माना जा रहा है, जिसमें शामिल होकर लोग पुण्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

स्नेहा ताई दुबे पंडित ने किए 8 महत्वपूर्ण कार्यों का भूमिपूजन

वसई। वसई विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने और नागरिकों के जीवनस्तर को बेहतर बनाने की दिशा में आज एक और बड़ा कदम उठाया गया। वसई विधानसभा की विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित के शुभहस्तों से वार्ड कमेटी के अंतर्गत आठ महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इन विकास परियोजनाओं का उद्देश्य–बेहतर सड़कें, मजबूत ड्रेनेज सिस्टम, आसान परिवहन और साफ-सुथरा ट्रैफिक वातावरण–प्रदान करना है, जिससे आने वाले समय में वसई के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की रफ्तार और तेज होने की उम्मीद है। भूमिपूजन समारोह में विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि हमारा लक्ष्य वसई में मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर सफाई और सुगम पहुंच सुनिश्चित करना है। लोगों को जो सुविधाएं चाहिए, उन्हें देने के लिए हम सीधे और तेजी से काम कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ भरोसा दिलाना नहीं, बल्कि वास्तविक विकास करना है। इस मौके पर वार्ड समिति के इंजीनियर मनोज पाटिल, भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव बिजेन्द्र कुमार, जिला सचिव नंदकुमार महाजन, वसई शहर मंडल अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दरीवाला, मंडल महासचिव संतोष काकड़, मुकुंद मुल्ये, मनमित राउत, श्रीमती सुचिता शेट्टी, अशोक मिश्रा, गिरीश राउत, विलास चौधरी, श्रीमती प्रमिला गैर, अमित पवार, नितिन ठाकुर, निलेश भानुसे, योगेश भानुसे, अनिल राउत, प्रथमेश वनमाली, श्री किशोर वैती, श्रीमती साधना ताई, श्रीमती रंजना राणा, आदित्य वगल, जुबैर पठान, अविनाश चावंडे, श्रीमती विजेता सुर्वे, थामी बाई, प्रमोद भोईर, काशीनाथ मथुरेकर सहित बड़ी संख्या में नागरिक और पदाधिकारी उपस्थित थे।

वसई में सड़क निर्माण कार्य को मिली रफ्तार, विधायक स्नेहा दुबे पंडित की पहल से टेंडर मंजूर

वसई रोड। वसई पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के आनंदनगर और दीनदयाल नगर में लंबे समय से खराब सड़कों की समस्या से जूझ रहे नागरिकों को बड़ी राहत मिलने वाली है। क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य को तेज करने के लिए विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित ने नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई की। विधायक की पहल पर पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी) ने सड़क रेनोवेशन के लिए टेंडर को मंजूरी दे दी है, जिससे जल्द ही दोनों इलाकों में सड़क निर्माण का काम युद्धस्तर पर शुरू होने जा रहा है। इसी सिलसिले में बीजेपी के युवा कार्यकर्ता मनोज गुप्ता, एड. जितेंद्र पांडे, छोटू आनंद, साईराज पवार, हरीश बेदी, आनंद पाटील, कल्पेश पांडे, सुनील सिंह, रमेश सिंह और चंदन चौरसिया ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ साइट का दौरा किया और सड़कों की माप व तकनीकी जांच की। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नए निर्माण कार्य से क्षेत्र में बढ़ती ट्रैफि क समस्या, धूल मिट्टी और खराब मार्गों से होने वाली परेशानियों का जल्द ही समाधान हो जाएगा। विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को तेज रखने के लिए विधायक स्नेहा दुबे पंडित की लगातार फॉलो-अप और जनहित के प्रति संवेदनशीलता ने स्थानीय लोगों में सकारात्मक माहौल बनाया है। लंबे समय से लंबित यह समस्या अब समाप्त होने की दिशा में आगे बढ़ चुकी है।

ग्राम रोहियांव तिलक समारोह में शामिल हुए पत्रकार अवधेश मिश्रा रिक्की

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर जनपद, विकास खंड सुजानगंज, पोस्ट मधुपुर, ग्राम रोहियांव में समाजसेवी पंडित रामलखन मिश्रा के पौत्र धनंजय संजय मिश्रा के तिलक समारोह में दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार अवधेश मिश्रा (रिक्की मिश्रा) अपने मित्रों के साथ शामिल हुए जिसमें उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, विजय चंद मिश्रा (रिंकू) , समाजसेवी अभिषेक मिश्र (प्रिंश) , रोहित द्विवेदी, आलोक मिश्रा (आशू) , भाजपा के तेजतर्रार युवा नेता संतोष सिंह (गोलू सिंह) , आदित्य मिश्रा, संघ के पदाधिकारियों व भाजपा कार्यकर्ता शिक्षक गुंजन त्रिपाठी , राजापुर केवटली से संतोष मिश्रा, अधिवक्ता मोहित द्विवेदी, पूर्व शिक्षक ब्रह्मदेव तिवारी, सपा नेता बाबा यादव, अमांव के पूर्व प्रधान मनोज सिंह, सैदानी ग्राम प्रधान लालचंद मौर्या , पूर्व प्रधान राजनाथ सिंह,अमांव प्रधान भोला गुप्ता, पूर्व प्रधान महाजन यादव सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए और अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई , इनके आगमन से पूरे परिवार एवं क्षेत्र में हर्ष का वातावरण व्याप्त रहा। परिवार के माननीय सदस्य समाजसेवी रामलखन मिश्रा, आचार्य पंडित संजय मिश्रा महाराज, कृष्ण चंद्र मिश्रा, जौनपुर स्थित महैर मंदिर के मनैजर हरिश्चंद्र मिश्रा, ब्रिजेश , राजेश मिश्रा, अधिवक्ता सुधांशु मिश्रा, शिक्षक प्रेम शंकर मिश्रा के परिजनों ने स्वागत किया। सुजानगंज के मशहूर गायक असफाक ने अपने गायन से लोगों का मनमुग्ध कर लिया।

हाजी अरफत शेख को जन्मदिन पर शॉल भेंट कर शुभेच्छा, सामाजिक संगठनों ने दी बधाई

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक सेल के अध्यक्ष, भाजपा प्रणित नवभारतीय शिव वाहतूक संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा महाराष्ट्र ट्रान्सपोर्ट सेल के अध्यक्ष तथा पूर्व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त हाजी अरफत शेख को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभेच्छाएं दी गईं। इस अवसर पर उनके जनसंपर्क कार्यालय एवं मध्यवर्ती कार्यालय, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई में हाजी अरफत शेख को शॉल भेंट कर उनका सम्मान किया गया। शेख एक प्रसिद्ध व्यापारी होने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए जाने जाते हैं। जन्मदिन समारोह में समाजसेवक तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं–परिवर्तन संघटना, भामला फाउंडेशन, सनातन सेना फाउंडेशन (महाराष्ट्र व मुंबई)–से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम विषय पर एक दिवसीय सी.आर.ई. कार्यक्रम का आयोजन

वाराणसी(उत्तरशक्ति) । जनपद के रोहनिया समेकित क्षेत्रीय केन्द्र (सी.आर.सी.) पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केन्द्र, वाराणसी द्वारा सचिव दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग भारत सरकार के निदेर्शानुसार तथा सी. आर. आई. भारत सरकार द्वारा अनुमोदित एक दिवसीय सतत पुनर्वास शिक्षा (सी. आर. ई.) कार्यक्रम का आयोजन ₹व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम₹ विषय पर किया गया।

यह कार्यक्रम सी. आर. सी. वाराणसी परिसर, पंचक्रोशी मार्ग, खुशीपुर, वाराणसी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक आशीष कुमार झा सी. आर.सी. वाराणसी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएँ देते हुए प्रतिभागियों को व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम के महत्त्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुनर्वास एवं विशेष शिक्षा से जुड़े पेशेवरों को व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम की अवधारणा, निर्माण प्रक्रिया और बच्चो की विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप शैक्षिक लक्ष्यों को निर्धारित करने की व्यवहारिक जानकारी देना था। इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों एवं पुनर्वास विशेषज्ञों में समावेशी दृष्टिकोण विकसित करने पर बल दिया गया ताकि प्रत्येक बच्चा शिक्षा की मुख्यधारा में सम्मिलित हो सके। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ताओं के रूप में नमो नारायण पाठक सहायक आचार्य, विशेष शिक्षा, अरविंद पांडेय, विशेष शिक्षक, आशीष पाराशर प्रवक्ता भौतिक चिकित्सा, कौमुदी शुक्ला सहायक आचार्य विशेष शिक्षा ने अपने-अपने विषयों पर उपयोगी व्याख्यान प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम का सफल समन्वय नमो नारायण पाठक सहायक प्राध्यापक विशेष शिक्षा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वाराणसी क्षेत्र के लगभग 30 पुनर्वास विशेषज्ञों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

एंजल वन ने फर्जी सोशल मीडिया ग्रुप्स और अनधिकृत निवेश योजनाओं पर निवेशकों को किया सतर्क

मुंबई / ठाणे। एंजल वन लिमिटेड, देश की अग्रणी फिनटेक कंपनी, ने निवेशकों को चेतावनी जारी की है कि हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर ऐसे फर्जी ग्रुप्स की संख्या बढ़ी है जो कंपनी और उसके वरिष्ठ अधिकारियों के नाम का दुरुपयोग कर रहे हैं। कंपनी ने पाया है कि व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और अन्य मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स पर कई अनधिकृत ग्रुप बनाए गए हैं, जो एंजल वन का नाम, लोगो और वरिष्ठ अधिकारियों की तस्वीरों का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। ये ग्रुप बिना किसी सेबी पंजीकरण के सिक्योरिटीज से जुड़े टिप्स और सलाह दे रहे हैं तथा रिटर्न को लेकर झूठे और भ्रामक दावे कर रहे हैं–जो पूरी तरह अवैध है। एंजल वन ने अपने बयान में कहा, बिना अनुमति के निवेश सलाह देना या रिटर्न की गारंटी करना कानूनन प्रतिबंधित है। हम निवेशकों से अपील करते हैं कि किसी भी संदेश या ग्रुप की प्रामाणिकता को जरूर जांचें। सभी निवेश निर्णय केवल अधिकृत स्रोतों से मिली विश्वसनीय जानकारी के आधार पर ही लें। एंजल वन का किसी भी फर्जी ऐप, वेब लिंक या अनौपचारिक व्हाट्सऐप/टेलीग्राम ग्रुप से कोई संबंध नहीं है, और ऐसे माध्यमों से हुए किसी नुकसान की ज़िम्मेदारी कंपनी की नहीं होगी। एंजल वन ने स्पष्ट किया है कि वह ग्राहकों को किसी भी अनौपचारिक सोशल मीडिया ग्रुप में नहीं जोड़ता, न ही मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स पर उनसे कोई संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी मांगता है। कंपनी किसी भी अनधिकृत माध्यम से धनराशि नहीं जुटाती और न ही किसी तरह के गारंटीड रिटर्न का वादा करती है। सभी वैध लेन-देन केवल एंजल वन के आधिकारिक प्लेटफॉर्म्स पर ही किए जाने चाहिए, और इसकी ऐप्स केवल आधिकारिक स्रोतों और मान्यता प्राप्त ऐप स्टोर्स से ही डाउनलोड की जानी चाहिए। एंजल वन निवेशकों के हितों की सुरक्षा और सुरक्षित ट्रेडिंग प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी सभी निवेशकों से सतर्क रहने और अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियाँ बरतने की अपील करती है। जनता को सख्त सलाह दी जाती है कि वे ऐसे किसी भी फर्जी समूह या संस्था के संपर्क में न आएँ और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों में शिकायत करें।

आकाश इंस्टीट्यूट ने गयाजी में आईओक्यूएम और एंथे 2025 के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

गयाजी : भारत में परीक्षा-तैयारी सेवाएँ प्रदान करने वाली अग्रणी संस्था आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एइएसएल) ने गयाजी में आयोजित एक विशेष सम्मान समारोह में इंडियन ओलंपियाड क्वालिफायर इन मैथमेटिक्स (आईओक्यूएम) 2025 और आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम (एंथे) 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया। समारोह के दौरान संस्था ने देश की दो सबसे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वाले छात्रों को उनकी असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। यह पहल न केवल छात्रों के परिश्रम और समर्पण की सराहना करती है, बल्कि क्षेत्र में शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की एइएसएल की निरंतर प्रयासों को भी दशार्ती है। गयाजी सेंटर ने आईओक्यूएम 2025 में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए उत्कृष्ट परिणाम दर्ज किए हैं।

मानवता का मिशाल हैं कछवा चौकी प्रभारी गणेश पटेल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के कछवा चौकी प्रभारी गणेश पटेल का कार्य हमेशा सराहनीय रहा है ' उन्होंने मानवता को दिखाते हुए कुछ दिन पहले व्यापार मंडल के युवा जिला कछवा बाजार से 1 किलोमीटर मिर्जा मुराद रोड हाईवे पर इनाका एलाइनमेंट व टायर की दुकान है जो चार पहिया वाहन गाड़ी अपनी गाड़ी में टायर लगवा कर हाईवे का फायदा उठाकर भाग निकला था ,जो हम व्यापारी भाई एक महीना पहले उसको मिजार्मुराद थाना के कछवा चौकी प्रभारी बड़े भाई गणेश पटेल को गाड़ी नंबर वह उसका मोबाइल नंबर सहित एप्लीकेशन दिया ' था कई दिनों से चौकी प्रभारी उसके पीछे पड़े थे मिजार्पुर वह बनारस शहर में रहता था आज उसे चौकी पर बुलवाकर टायर का पूरा पैसा 4500 और 1000 अधिक दिलवाए ,बड़े भाई चौकी प्रभारी कछवा गणेश पटेल को हम व्यापारीगढ़ जल्द ही चौकी प्रभारी को बाबा विश्वनाथ का मोमेंटो व अंग वस्त्र देकर व मिठाई खिलाकर व्यापार मंडल के लोग करेंगे सम्मानित।

मराठी विवाद में मराठी भाषी युवक की मौत पर रंजू झां ने की निन्दा

मुंबई। भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश सचिव श्रीमती रंजू झा ने बताया कि अब तक हिंदी - मराठी विवाद में हिंदीभाषियों की ही पिटाई होती रही है। पहली बार हिंदी बोलने पर एक मराठीभाषी युवक को ही कुछ मराठि लोगों ने इतना पीटा कि आहत होकर उसने अपनी जान दे दी। घटना कल्याण निवासी 19 वर्षीय मराठी युवक अर्णव खैरे सुबह लोकल ट्रेन से मुलुंड स्थित अपने कॉलेज जाने के लिए निकला था। ट्रेन में भीड़ अधिक होने के कारण उसे धक्का लग रहा था, तो उसने हिंदी में सिर्फ इतना कहा कि, 'भाई थोड़ा आगे हो जाओ, धक्का लग रहा है। उसका इतना बोलने पर ही मराठी यात्रियों के एक समूह ने उसे पीटना शुरू कर दिया। पीटे जाने पर उसने कहा कि वह खुद मराठीभाषी है। इसके बावजूद उसकी पिटाई बंद नहीं हुई। डर कर वह अपने गन्तव्य से एक स्टेशन पहले ही उतर गया, और दूसरी ट्रेन पकड़ कर अपने कॉलेज गया। विज्ञान के विद्यार्थी अर्णव ने वहाँ प्रैक्टिकल की क्लास अटेंड की। बाकी लेक्चर छोड़कर वह अपने घर लौट गया। अर्णव के पिता जीतेंद्र खैरे का कहना है घर लौट कर भी वह काफी डरा हुआ था। उसने बताया कि उसे थप्पड़ों से पीटा गया और धमकाया गया। उससे कहा गया कि तुम्हें मराठी बोलने में दिक्कत क्या है। जीतेन्द्र खैरे के अनुसार पिटाई से वह काफी आहत था। कुछ देर बाद उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अर्नव की आत्महत्या के बाद ठाणे की कोलसेवाडी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। रेलवे पुलिस की मदद से आरोपियों की पहचान का प्रयास किया जा रहा हे और स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।अर्णव का परिवार न्याय की मांग सरकार से कर रहा है।

शाहगंज में पति-पत्नी के विवाद ने पकड़ा तूल, दांत से काटने की घटना पर पुलिस सक्रिय

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति) । घरेलू कलह के एक मामले ने शनिवार को उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब पति-पत्नी के विवाद में पत्नी ने पति को हाथ-पैर में दांत से काट लिया। घायल दम्पत्ति को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाकर उपचार कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ताखा पश्चिम गांव निवासी 30 वर्षीय राजन राजभर की शादी करीब सात वर्ष पूर्व दीदारगंज थाना क्षेत्र के पुष्पनगर गांव की 23 वर्षीय रीता राजभर से हुई थी। शुरूआती कुछ समय तक दम्पत्ति के बीच सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन बाद में आए दिन विवाद बढ़ने लगे। परिजनों के अनुसार, रीता काफी समय से खाना-पीना ठीक से नहीं कर रही थी और समझाने पर पति पर झूठे मुकदमे में फँसाने की धमकी देती थी। शनिवार दोपहर किसी बात को लेकर दोनों के बीच फिर कहासुनी हो गई, जो देखते-देखते झगड़े में बदल गई। आरोप है कि इसी दौरान रीता ने राजन के हाथ और पैर पर जोर से दाँत काट लिया। इसके बाद वह बेहोश होकर गिर पड़ी। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुँची और दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। पुलिस ने दम्पत्ति से पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर चर्चा बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

आजमगढ़। शहर कोतवाली पुलिस ने 25,000 रुपये के इनामी बदमाश विशाल कुमार उर्फ बाबू बीड़ी को गिफ्तार कर लिया। पकड़ा गया आरोपी वाराणसी के शिवपुर का रहने वाला है। वर्तमान समय में सरसौली भोजूबीर कैंट में रह रहा है। आरोपी वाराणसी व आजमगढ़ सहित कई जनपदों में लूट, छिनैती, चोरी, गैंगस्टर सहित 10 से अधिक गंभीर मामलों में वांछित था। उसके साथी पिंटू उर्फ अशोक को 19 नवंबर को पुलिस मुठभेड़ में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।20 नवंबर की रात करीब 8.45 बजे पुराना बस अड्डा क्षेत्र में चेकिंग व रात गश्त के दौरान पुलिस टीम ने घेराबंदी कर विशाल को तमंचा सहित गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने आठ नवंबर को कोलबाजबहादुर क्षेत्र में वृद्ध महिला की चेन छिनैती की घटना अपने साथी पिंटू के साथ मिलकर करने की बात कबूल की।

सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर सेंटर्स ने खारघर में भारत के सबसे बड़ी 'घर से दूर घर' सुविधा का उद्घाटन किया

नवीमुंबई। सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर सेंटर्स ने टाटा मेमोरियल सेंटर के ACTREC के साथ साझेदारी में, आज अपनी सबसे बड़ी 'घर से दूर घर' सुविधा का उद्घाटन किया। नवी मुंबई के खारघर में 12 मंजिला, 234 इकाई वाले इस परिसर का उद्घाटन टाटा मेमोरियल सेंटर के निदेशक डॉ. सुदीप गुप्ता की उपस्थिति में किया गया। यह सुविधा हर साल बाल कैंसर से जूझ रहे 700 से ज्यादा परिवारों को मुफ़्त और स्वच्छ आवास प्रदान करेगी। उम्मीद है कि यह सुविधा अगले 20 वर्षों में लगभग 14,000 परिवारों को सहायता प्रदान करेगी। बाल चिकित्सा कैंसर का इलाज कई वर्षों तक चल सकता है, जिसके लिए कई बार फॉलो-अप की आवश्यकता होती है। इलाज के लिए हजारों मील की यात्रा करके मुंबई आने वाले परिवारों के लिए, रहने की जगह ढूँढ़ना एक कठिन चुनौती है। सेंट ज्यूड्स में परिवारों को उनके बच्चे के कैंसर मुक्त होने तक रहने की जगह का आश्वासन दिया जाता है। यह सुविधा सेंट ज्यूड्स की इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है कि कैंसर का इलाज करा रहे किसी भी बच्चे को सुरक्षित और देखभाल वाली जगह से वंचित न किया जा। इससे किफायती आवास की कमी के कारण इलाज छोड़ने की दर में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। टाटा मेमोरियल अस्पताल के एक विश्लेषण के अनुसार, सेंट ज्यूड्स केंद्रों ने 2000 के दशक की शुरूआत में इलाज छोड़ने की दर को 30% से घटाकर 5% से कम करने में मदद की है। इस सुविधा में एक पुस्तकालय, कक्षा-कक्ष, एक कौशल विकास केंद्र और एक उत्कृष्टता केंद्र शामिल होगा जो अन्य

गैर-सरकारी संगठनों को देश भर में इसी तरह के 'घर से दूर घर' केंद्र स्थापित करने और संचालित करने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा। सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर सेंटर्स की अध्यक्ष मनीषा पार्थसारथी ने कहा, ACTREC खारघर का यह केंद्र एक सुविधा से कहीं बढ़कर है–यह एक निभाया गया वादा है। भारत में किसी भी बच्चे को कैंसर के खिलाफ लड़ाई इसलिए नहीं हारनी चाहिए क्योंकि उसके पास सोने, खाने या सम्मान के साथ इलाज करने की कोई जगह नहीं है।

एक ही छत के नीचे 234 इकाइयों के साथ, हम न केवल परिवारों का आवास बना रहे हैं, बल्कि भविष्य भी बचा रहे हैं।

टाटा मेमोरियल सेंटर के निदेशक डॉ. सुदीप गुप्ता ने कहा, ₹मुंबई के परेल स्थित सेंट ज्यूड्स के साथ हमारी साझेदारी ने हमें यह विश्वास दिलाया है कि देखभाल प्राप्त कर रहे बच्चों के लिए चिकित्सा उपचार के साथ-साथ सुरक्षित आवास भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि हमने सेंट ज्यूड्स के साथ बार-बार साझेदारी की है। इसलिए, खारघर स्थित ACTREC परिसर में सेंट ज्यूड्स केंद्र का होना बाल चिकित्सा कैंसर रोगियों के लिए इतने बड़े अस्पताल की स्थापना का एक स्वाभाविक परिणाम था। यह इस बात का एक अनूठा उदाहरण होगा कि भारत भर से रेफर किए गए बच्चों को न केवल चिकित्सा उपचार मिलेगा, बल्कि उनके रहने की जगह भी होगी झ कभी-कभी महीनों या उससे भी अधिक समय तक।

ACTREC के निदेशक डॉ. पंकज चतुर्वेदी ने कहा, सेंट ज्यूड्स के साथ मिलकर ACTREC में हम जो नया ब्लॉक बना रहे हैं, वह एक 12 मंज़िला इमारत है जिसमें 234 से ज्यादा बच्चे अपने माता-पिता के साथ रह सकेंगे। इसका मतलब है कि ज्यादा मरीज हमारे यहाँ रह पाएँगे और समय पर इलाज पा सकेंगे। चूँकि वे परिसर में ही रहेंगे, इसलिए अगर कोई बच्चा आधी रात को बीमार पड़ जाता है, तो बच्चे और उसके माता-पिता को अस्पताल की इमारत तक पहुँचने के लिए सिर्फ. 100 मीटर पैदल चलना पड़ेगा, जहाँ उनका तुरंत इलाज किया जा सकेगा।